सूचना का अधिकार अधिनियम 2005
संस्कृति संचालनालय17बिन्दु मैन्युअल
बिन्दु क्रमांक 1 - विभाग का संक्षिप्त परिचय

राज्य शासन द्वारा पृथक संस्कृति विभाग का गठन वर्ष 1980 में किया गया। राज्य कीसांस्कृतिक धरोहर, पुरातात्विक सम्पदा एवं ऐतिहासिक महत्व का यथास्थिति संरक्षण एवं विरूपण, विनाश, अपक्षरण, व्ययन या निर्यात से संरक्षण करना विभाग के मुख्य उद्देश्य हैं। संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश की कला, संस्कृति, साहित्य, राजभाषा, स्वाधीनता संग्राम से संबंधित एवं पुरासम्पदा केसंरक्षण, संवर्धन तथा उनके गुरुत्तर विकास के लिये उद्देश्य अनुरूप सक्रिय है।

संस्कृति विभाग के मुख्य कार्य निम्नानुसार हैं:-

1. संस्कृति के लिए नीति निर्माण।
2. कला, साहित्य और संस्कृति को हर संभव उपायों द्वारा प्रोन्नत करना और इस सन्दर्भ में विभिन्ननई योजनाएँ विरचित करना।
3. शासकीय कार्य में एवं शैक्षणिक संस्थाओं में शिक्षण माध्यम के रूप में हिन्दी भाषा का उपयोग।
4. भारतीय भाषाओं का अध्ययन और परिरक्षण।
5. अशासकीय सांस्कृतिक संगठनों को प्रोत्साहित करना और उन्हें वित्तीय सहायता उपलब्धकराना।
6. संगीत और ललित कला को प्रोन्नत करना, सुदृढ़ करना और उसका विस्तार तथा इसकेमहाविद्यालयों को स्थापित करना।
7. ऐतिहासिक दस्तावेज़ों और पाण्डुलिपियों का परिरक्षण और शोध कार्य।
8. प्रदेश में फैली हुई पुरातात्विक संपदाओं और निखात निधियों का सर्वेक्षण, उनकी पहचान करना, दस्तावेजीकरण, संपादन, संग्रहण, परिरक्षण, प्रदर्शन, उत्खनन और संरक्षण।
9. ऐतिहासिक स्मारकों का संरक्षण और संग्रहालयों का विकास।
10. संग्रहालयों में पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं का कलात्मक प्रदर्शन/प्रतिकृतियों का निर्माण,प्रदर्शन, पुरातात्विक विषयों पर शोध, सेमिनार और प्रकाशन।
11. राज्य/जिला गजेटियरों का लेखन, प्रकाशन और पुनर्मुद्रण।
12. कला, साहित्य और संस्कृति से संबंधित व्याख्यान, गोष्ठियाँ और विभिन्न कार्यक्रम औरगतिविधियाँ आयोजित करना और संचालित करना।
13. जनजातीय और लोक कला, साहित्य एवं संस्कृति का अनुरक्षण, संरक्षण, प्रोत्साहन, प्रदर्शन,प्रशिक्षण एवं विकास।
14. स्वाधीनता संग्राम तथा स्वाधीनता संघर्ष-स्वराज के विविध आयामों का अध्ययन तथा उसकाविचार विमर्श, दस्तावेजीकरण, संग्रहण और प्रदर्शन, दुर्लभ एवं प्रामाणिक ग्रंथों का संग्रहण एवंप्रकाशन, बहुविध आयोजन करना, प्रोत्साहन करना, प्रचार-प्रसार करना तथा उच्च स्तरीयगतिविधियों का संचालन करना।
15. भारत एवं संपूर्ण विश्व में हुए स्वाधीनता संघर्ष पर केन्द्रित स्मृति चिन्हों, दस्तावेज़ों, समाचार-पत्रों,पुस्तकों, चित्रों और फिल्मों तथा साहित्य का संग्रहण तैयार करना तथा उनका प्रकाशन करना।
16. स्वाधीनता संग्राम संबंधी व्याख्यान, परिचर्चाएँ, गोष्ठियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजनकरना।
17. चयनित कलाकारों, साहित्यकारों, विद्वानों, पुरातत्वविदों और संगठनों का सम्मान करना।

18. स्वतंत्रता संग्राम-स्वराज से संबंधित पुरस्कार/अलंकरण प्रदान करना।
19. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, जननायकों तथा प्रसिद्ध व्यक्ति और उनके समर्पित योगदान की शताब्दीतथा जयंती कार्यक्रमों का आयोजन करना तथा इसके लिए स्वयंसेवी संगठनों को सहायताअनुदान।
20. नाट्य विद्यालय, रंगकर्म प्रदर्शन तथा अध्ययन, अभिनय, प्रशिक्षण, प्रसार और विकास।
21. फिल्म सिटी की स्थापना, संचालन तथा समन्वय, फिल्म निर्माण, प्रशिक्षण, प्रोत्साहन, विकास तथासमस्त सम्बन्धित विषय।
22. सांस्कृतिक सम्मेलनों का परिरक्षण और संरक्षण।
23. वित्तीय अभाव वाले कलाकारों तथा साहित्यकारों को पेंशन तथा वित्तीय सहायता।
24. साहित्य, कला तथा स्वाधीनता संग्राम/आंदोलन के क्षेत्र में शोध कार्य के लिए फैलोशिप।
25. सार्वजनिक स्थलों पर विशिष्ट व्यक्तियों की प्रतिमा स्थापित करने हेतु अनुमति प्रदान करना।
26. स्वाधीनता संघर्ष सेनानियों/शहीदों की स्मृति में शहीद स्तम्भों तथा स्मारकों की स्थापना।
27. सेवाओं से संबंधित सभी विषय जिनका विभाग से संबंध है (वित्त विभाग और सामान्य प्रशासनविभाग को आवंटित किए गए विषयों को छोड़कर) उदाहरणार्थ- नियुक्तियाँ, पदस्थापनाएँ,स्थानांतरण, वेतन, छुट्टी, निवृत्ति वेतन, पदोन्नतियाँ, सामान्य भविष्य निधि, प्रतिनियुक्ति, दण्डतथा अभ्यावेदन।

विभाग द्वारा प्रशासित अधिनियम और नियम:

1. मध्यप्रदेश प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्वीय स्थल तथा पुरावशेष अधिनियम, 1964 (क्र. 12 सन् 1964)
2. मध्यप्रदेश प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष नियम, 1975
3. मध्यप्रदेश निखात निधि नियम, 1964
4. मध्यप्रदेश राजभाषा अधिनियम, 1957 (क्रमांक 5 सन् 1958)
5. राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (क्रमांक 4 सन् 2009)
6. सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय अधिनियम, 2012 (क्रमांक 1 सन् 2013)

विभाग के अधीन आने वाले संचालनालय तथा कार्यालय:

1. संचालनालय, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, भोपाल
2. संस्कृति संचालनालय, भोपाल
3. स्वराज संस्थान संचालनालय, भोपाल
4. क्षेत्रीय उप-संचालक, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर
5. राजकीय अभिलेखागार क्षेत्रीय कार्यालय, इंदौर और ग्वालियर
6. राज्य स्तरीय संग्रहालय, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर, धुबेला (जिला-छतरपुर) उज्जैन तथारामवन (जिला-सतना)
7. जिला स्तरीय संग्रहालय, शहडोल, रीवा, पन्ना, ओरछा (जिला-टीकमगढ़), विदिशा, राजगढ़,होशंगाबाद, देवास, धार, मंदसौर और मण्डला।
8. पुरातत्ववेत्ता कार्यालय रीवा, सागर, जबलपुर, होशंगाबाद, भोपाल और इंदौर
9. संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर, उज्जैन, इंदौर, मंदसौर, धार, नरसिंहगढ़, मैहर और खण्डवा
10. ललित कला महाविद्यालय, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर, धार और खण्डवा
11. रवीन्द्र भवन, भोपाल
12. डॉ. शंकरदयाल शर्मा स्वतंत्रता संग्राम राज्य संग्रहालय, भोपाल
13. शहीद भवन, भोपाल

14. मैहर बैण्ड, मैहर

अधिनियम के अधीन गठित मण्डल, निगम और विश्वविद्यालय:

1. राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर
2. साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, साँची

अन्य संस्थाएँ तथा निकाय:

1. भारत भवन न्यास, भोपाल
2. मध्यप्रदेश नेहरू केन्द्र, लालबाग न्यास, इंदौर
3. मध्यप्रदेश हेरीटेज डेव्हलपमेंट ट्रस्ट, भोपाल
4 वीर भारत न्यास, भोपाल
5. आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, भोपाल
6. जिला पुरातत्व संघ (सभी जिला मुख्यालयों में)
7. मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, भोपाल
(i) उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, भोपाल
(ii) आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल
(iii) साहित्य अकादमी, भोपाल
(iv) कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन
(v) सिंधी साहित्य अकादमी, भोपाल
(vi) मराठी साहित्य अकादमी, भोपाल
(vii) भोजपुरी साहित्य अकादमी, भोपाल
(viiii)पंजाबी साहित्य अकादमी, भोपाल
(ix) मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, भोपाल
(x) प्रेमचंद सृजनपीठ, उज्जैन
(xi) निराला सृजनपीठ, भोपाल
(xii) मुक्तिबोध सृजनपीठ, सागर
(xiii) बाल साहित्य सृजनपीठ, इंदौर
(xiv) पं. सूर्यनारायण व्यास कला संकुल, उज्जैन
(xv) सांस्कृतिक कला संकुल, ग्वालिय
(xvi) सांस्कृतिक कला संकुल, जबलपुर
(xvii) मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल
(xviii)जनजातीय संग्रहालय, भोपाल
(xix) कला एवं पुरातत्व संग्रहालय, त्रिवेणी, उज्जैन
8. धर्मपाल शोधपीठ, भोपाल
9. महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, भोपाल/उज्जैन
10. रेडियो आज़ाद हिन्द, भोपाल
11. शौर्य स्मारक, भोपाल

विभाग के अधीन सेवाओं के नाम, यदि कोई हों, और विशेष सेवा विषय, यदि कोई हों:

1. मध्यप्रदेश राजभाषा एवं संस्कृति संचालनालय भर्ती (चतुर्थ श्रेणी) नियम, 1997
2. मध्यप्रदेश पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय तृतीय श्रेणी (अराजपत्रित, अलिपिकीय) सेवाभर्ती नियम, 1999
3. मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग अधीनस्थ (राजभाषा एवं संस्कृति संचालनालय) राजपत्रित सेवा भर्तीनियम 1998
4. मध्यप्रदेश पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम, 1998
5. मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग अधीनस्थ (राजभाषा एवं संस्कृति संचालनालय) तृतीय श्रेणी (लिपिकीयतथा अलिपिकीय) सेवा तथा भर्ती नियम, 1999
6. मध्यप्रदेश पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय (चतुर्थ श्रेणी) भर्ती नियम, 1998
7. मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद् सेवा तथा भर्ती नियम, 2005
8. मध्यप्रदेश स्वराज संस्थान संचालनालय तृतीय श्रेणी (अराजपत्रित) सेवा भर्ती नियम 2013.
9. मध्यप्रदेश स्वराज संस्थान संचालनालय चतुर्थ श्रेणी सेवा भर्ती नियम 2015.

संस्कृति संचालनालय

संस्कृति और साहित्य का संवर्धन, संरक्षण, विस्तार और विकास के लिये बहुआयामी कार्य, साथही राजभाषा हिन्दी के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की गतिविधियां भी की जा रही हैं। मध्यप्रदेष शासनकी संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रतिबद्धता के अनुरूप महत्वपूर्ण कार्यों के उत्तरदायित्व कानिर्वहन, संस्कृति से संबंधित नीतिगत मामले और नीति निर्धारण, साहित्य और कला का विकास,सांस्कृतिक परम्परा का संरक्षण, हिन्दी भाषा का प्रयोग और उसका विकास, शैक्षणिक संस्थाओं में हिन्दीभाषा का प्रयोग तथा उसका विकास, जिला गजेटियरों का लेखन, प्रकाशन और पुर्नमुद्रण, अभावग्रस्तकलाकारों साहित्यकारों को पेंशन और आर्थिक सहायता, अषासकीय साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्थाओंको प्रोत्साहन और आर्थिक सहायता, चयनित कलाकारों, साहित्यकारों के सम्मान के साथ ही राजकाजमें हिन्दी भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित करने, प्रदेश के जिलों की महत्वपूर्ण एवं समग्र जानकारीगजेटियर के रूप में संकलित करने के साथ साहित्य और संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का कार्यकिया जाता है।

रवीन्द्र भवन

राजधानी भोपाल में रवीन्द्र भवन, सभागृह एवं मुक्ताकाश मंच सांस्कृतिक, सामाजिकगतिविधियाँ संचालित करने का एक सर्वसुविधायुक्त केन्द्र है। सभागृह में 510 दर्षकों के बैठने कीव्यवस्था है। इस सभागृह के अलावा परिसर में एक मुक्ताकाश मंच है, जिसमें भव्य आयोजन होते हैं।रिनोवेशन अंतर्गत इसके मंच का जीर्णोद्धार कर बैठक व्यवस्था ठीक की गयी है। वर्ष 2018-19 में 261कार्यक्रम सभागृह/मुक्ताकाश मंच पर आयोजित किये गये।

भावी लक्ष्य

नवीनीकृत रवीन्द्र भवन सभागृह एवं मुक्ताकाश मंच को भोपाल के कला प्रेमियों के लियेअधिक सुविधाजनक एवं आधुनिकता से परिपूर्ण कर उपलब्ध कराया जा रहा है। 1500 क्षमता का नवीनरवीन्द्र भवन सभागृह निर्माणाधीन है।नवीनीकृत सभागृह को आरामदायक कुर्सियों, नवीन ए.सी., साउण्ड एवं लाईट

की अत्याधुनिकतकनीक से सुसज्जित किया गया है। उच्च स्तरीय एकॉस्टिक कार्य के साथ ही महिला एवं पुरुषप्रसाधनों को आधुनिकीकृत कर सर्वसुविधायुक्त बनाया गया है।

शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के नियंत्रणाधीन एवं संस्कृति संचालनालय के अन्तर्गतप्रदेश के 07-शासकीय संगीत महाविद्यालय संचालित हैं। इन महाविद्यालयों में संगीत से संबंधितसमस्त विषय/विधा {गायन, हारमोनियम, तबला, सितार, वायलिन, सारंगी एवं नृत्य (कथक)} मेंसर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा (विद् एवं कोविद), स्नातक एवं स्नातकोत्तर में शिक्षण कार्य संपादित कियाजाता है:-

अ. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर:-** महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1918 मेंहुई। वर्तमान में महाविद्यालय स्वयं के भवन में संचालित है। महाविद्यालय द्वारा प्रतिमाहसांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर वर्ष 2018 को शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया गया है। शैक्षणिकसत्र 2017-18 में शासकीय संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।

ब. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, इंदौर:-** महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1935 में हुई।वर्तमान में महाविद्यालय स्वयं के भवन में संचालित है। शैक्षणिक सत्र 2017-18 में शासकीयसंगीत महाविद्यालय, इंदौर का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।

स. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, उज्जैन:-** महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1926 मेंहुई। वर्तमान में महाविद्यालय का स्वयं का भवन नहीं है। महाविद्यालय विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन के भवन में विश्वविद्यालय परिसर में संचालित है। शैक्षणिक सत्र 2017-18 मेंशा. संगीत महाविद्यालय, उज्जैन का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा एवं एम.म्यूज(गायन) कीडॉ. सुचिता चांदोरकर एवं श्रीमती ललिता पांडे को स्वर्ण पदक एवं कथक तथा हारमोनियमकी 3 विद्यार्थी प्रावीण्य सूची में रहे।

द. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, मंदसौर:-** महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1941 मेंहुई। वर्तमान में महाविद्यालय स्वयं के भवन में संचालित है। शैक्षणिक सत्र 2017-18 मेंशा. संगीत महाविद्यालय, मंदसौर का रिजल्ट 93.82 प्रतिशत रहा।

इ. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, धार:-** महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1945 में हुई।वर्तमान में महाविद्यालय जिला प्रषासन के भवन में संचालित है। प्रतिवर्ष जिला प्रषासन द्वाराआयोजित प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल माण्डू में होने वाले ''माण्डू महोत्सव'' एवं अन्यकार्यक्रमों में महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों द्वारा तैयार सांस्कृतिक प्रस्तुति आयोजितकी जाती है। शैक्षणिक सत्र 2017-18 में शासकीय संगीत महाविद्यालय, धार का रिजल्ट87.27 प्रतिशत रहा।

फ. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर:-** महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1956 में हुई।वर्तमान में महाविद्यालय स्वयं के भवन में संचालित है। साथ ही विश्व प्रसिद्ध ''मैहरवाद्यवृंद(मैहर बैण्ड)'' भी इसी महाविद्यालय के अन्तर्गत संचालित है जिसकी स्थापना वर्ष1918 में उस्ताद अलाउद्दीन खां साहब द्वारा की गई थी। शैक्षणिक सत्र 2017-18 मेंशा. संगीत महाविद्यालय, मैहर का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।

ज. **शासकीय संगीत महाविद्यालय, नरसिंहगढ़:-** महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1947में हुई। विगत 3 वर्ष से महाविद्यालय जिला प्रषासन द्वारा आवंटित भवन में संचालित है।इसके पूर्व महाविद्यालय किराये के भवन में संचालित होता था। शैक्षणिक सत्र 2017-18 मेंशा. संगीत महाविद्यालय, नरसिंहगढ़ का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।

इसी प्रकार प्रदेश में 04-शासकीय ललित कला महाविद्यालय संचालित हैं। इनमहाविद्यालयों में ललित कला से संबंधित समस्त विषय/विधा {चित्रकला, मूर्तिकला एवं व्यवहारिककला} में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में शिक्षण कार्य संपादित किया जाता है:-

अ. **शासकीय ललित कला महाविद्यालय, ग्वालियर**:- महाविद्यालय की स्थापना वर्ष1954 में हुई। वर्तमान में महाविद्यालय स्वयं के भवन में संचालित है। जिला प्रषासन केनिर्देशानुसार शहर की दीवारों को स्वच्छ रखने के लिए चित्रकला हेतु महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा सदैव सहयोग प्रदान किया जाता है। साथ ही समय-समय परप्रदर्षनी का आयोजन किया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2017-18 में शासकीय ललित कलामहाविद्यालय, ग्वालियर का रिजल्ट 95 प्रतिशत रहा।

ब. **शासकीय ललित कला महाविद्यालय, इंदौर**:- महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1927में हुई। महाविद्यालय का स्वयं का भवन नहीं है। विगत 5 वर्षों से महाविद्यालय इंदौर विकासप्राधिकरण के भवन में किराये पर संचालित है। महाविद्यालय के स्वयं के भवन का नवीनीकरणसंबंधी कार्य जिला प्रशासन एवं शासन स्तर पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। शैक्षणिक सत्र2017-18 में शासकीय ललित कला महाविद्यालय, इंदौर का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा एवंबी.एफ.ए (अंतिम) व्यवहारिक कला में सुश्री प्रियंका बावसे ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थानप्राप्त किया एवं 5 विद्यार्थी प्राविण्य सूची में रहे।

स. **शासकीय ललित कला महाविद्यालय, धार**:- महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1939 मेंहुई। वर्तमान में महाविद्यालय जिला प्रषासन के अन्तर्गत शासकीय विद्यालय के भवन मेंसंचालित है। प्रतिवर्ष जिला प्रशासन द्वारा आयोजित प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल माण्डू में होनेवाले ''माण्डू महोत्सव'' में महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों की चित्रकला प्रदर्षनी काआयोजन किया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2017-18 में शासकीय ललित कला महाविद्यालय,धार का रिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।

द. **शासकीय ललित कला महाविद्यालय, जबलपुर**:- महाविद्यालय की स्थापना वर्ष1961 में हुई। विगत वर्ष तक महाविद्यालय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के भवन में संयुक्त रूपसे संचालित था। वर्तमान में सांस्कृतिक कला संकुल के भवन में महाविद्यालय संचालित कियाजा रहा है। शैक्षणिक सत्र 2017-18 में शासकीय ललित कला महाविद्यालय, जबलपुर कारिजल्ट 90 प्रतिशत रहा।

इ. **शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय, खण्डवा**:- प्रदेश का प्रथम संयुक्त(संगीत एवं ललित कला) रूप से संचालित महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2010 में हुई है।जिसमें संगीत(डनेपब) से संबंधित समस्त विषय/विधा {गायन, हारमोनियम, तबला,सितार, वायलिन, सारंगी एवं नृत्य(कथक)} में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा (विद्एवं कोविद), स्नातक एवं स्नातकोत्तर एवं ललित कला (Fine Arts) से संबंधितसमस्त विषय/विधा {चित्रकला, मूर्तिकला एवं व्यवहारिक कला} में स्नातक एवंस्नातकोत्तर में शिक्षण कार्य संपादित किया जाता है। शैक्षणिक सत्र 2017-18 में शासंगीतएवं ललित कला महाविद्यालय, खण्डवा का रिजल्ट 90 प्रतिशत एवं बी.म्यूज(गायन) में सुश्री श्रेजल लाड़ को गोल्ड मेडल एवं 19 विद्यार्थियो का मेरिट में चयन हुआ।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

जुलाई 2008 में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर की स्थापनाकी गई। इस विश्वविद्यालय का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण मध्यप्रदेश है। विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में वृद्धि करसम्पूर्ण भारत में करने हेतु विश्वविद्यालय प्रयासरत है।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु कुल भूमि 20 एकड़विश्वविद्यालय को राज्य शासन द्वारा आवंटित की गई। विश्वविद्यालय विकास एवं निर्माण कार्यों केअंतर्गत ऑडिटोरियम निर्माण, अकादमिक भवन निर्माण, बालक-बालिका छात्रावास, कुलपति-कुलसचिवआवास, शिक्षक एवं कर्मचारी आवास तथा अतिथि आवास गृह का निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावितहै। जिसमें अनुमानित 11.50 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक सभागृह निर्माण प्रस्तावित है एवं राशिरुपये 72 करोड़ की लागत से परिसर का विस्तार प्रस्तावित है। विश्वविद्यालय के समस्त स्टॉफ कीउपस्थिति के लिये बायोमेट्रिक मषीन स्थापित की गई है। विश्वविद्यालय परिसर में स्टाफ विद्यार्थियोंएवं आगंतुकों के वाहनों के लिये पार्किंग का निर्माण एवं विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार से प्रवेश द्वार एवंवाहन पार्किंग तक नवीन सड़क का निर्माण कार्य राशि रूपये 40 लाख से लोक निर्माण विभाग केमाध्यम से करवाया गया है।

विश्वविद्यालय हेतु 40 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। शैक्षणिक व्यवस्था हेतु 20शैक्षणिक पदों की भी स्वीकृति प्राप्त हुई थी। विश्वविद्यालय द्वारा कुल 10 पदों पर नियुक्तियां की जाचुकी हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रषासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु कतिपय अतिरिक्तशैक्षणिक एवं अषैक्षणिक पदों की स्वीकृति प्रस्तावित की गयी है।

वर्ष 2008-09 में 18 शासकीय एवं अषासकीय महाविद्यालय विश्वविद्यालय से सम्बद्ध थे जोअब बढ़कर कुल-159 हो गए हैं। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय अध्ययनशालामें संचालित संकायों संगीत, नृत्य, ललित कला, परफॉर्मिंग आर्ट्स संकाय, कला संकाय, फिल्म मेकिंगसंकाय एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अंतर्गत वर्ष 2008-09 में 1761 विद्यार्थी अध्ययनरत थे जो अबबढ़कर लगभग 25,000 हो गए हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय की अध्ययनषाला के अंतर्गत संचालितसंकायों में लगभग 43 पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं और शासन से इस वर्ष 11 नवीन पाठ्यक्रमोंको संचालित करने की अनुमति प्राप्त हो चुकी है। विश्विविद्यालय एवं इससे संबद्व महाविद्यालयों में नवीनप्रवेश एवं परीक्षा संबधी प्रक्रिया को पूर्णतः ऑनलाईन किया गया है।

विश्वविद्यालय द्वारा ध्रुपद केन्द्र का संचालन हस्सू हद्दू खां सभागार, ग्वालियर में सफलतापूर्वककिया जा रहा है। ध्रुपद केन्द्र के छात्र-छात्राओं ने कई उत्सवों में प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर कई उच्चस्तरीयप्रस्तुतियाँ दी हैं जो सराही गयी हैं एवं केन्द्र के छात्रों को ए.आई.आर. द्वारा ग्रेडेड भी हुये है।

इस वर्ष राष्ट्रीय संगीत एवं कला समागम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम निरंतर27 घण्टे चला। इस कार्यक्रम में देश विदेश के ख्याति प्राप्त कलाकारों सहित विश्वविद्यालय के संबद्धमहाविद्यालयों के शिक्षक कलाकारों की भी प्रस्तुतियाँ रहीं।तानसेन जन्मस्थली बेहट में संगीत एवं कला महाविद्यालय स्थापित किए जाने का प्रस्तावप्रचलन में है।विश्वविद्यालय में शोधकार्य हेतु प्रवेश परीक्षा वर्ष 2017-18 में 161 आवेदन प्राप्त हुए। लिखितपरीक्षा एवं साक्षात्कार के उपरांत वर्ष 2017-18 में शोध कार्य हेतु 26 शोधार्थियों का चयन हुआ है।

विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह का आयोजन दिनांक-28 फरवरी 2019 को हुआजिसकी अध्यक्षता माननीय राज्यपाल एवं कुलाध्यक्ष श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की एवं मुख्य अतिथिके रूप में

माननीय संस्कृति एवं चिकित्सा शिक्षा एवं आयुष मंत्री सुश्री विजयलक्ष्मी साधौ जी द्वाराशिरकत की गई। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुतकिया गया। विश्वविद्यालय द्वारा 04 छात्रों को शोध उपाधि एवं वर्ष 2016-17 के लिए 17, वर्ष 2017-18के लिए 20 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं उपाधियां प्रदान की गईं ।

विश्व विद्यालय अनुदान आयोग के 12 बी योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय में 29 एवं 30 मार्च2019 को आयोग द्वारा गठित समिति द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया। समिति द्वाराविश्वविद्यालय को 12 बी योजना में शामिल किये जाने की संस्तुति भी समिति द्वारा प्रदाय की गई है।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, सांची

मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2012 में गठित सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालयअकादमिक उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है। बौद्ध एवं भारतीय दर्षन के विभिन्न आयामों पर गहन शोधएवं उच्चस्तरीय अध्ययन के उद्देश्य से स्थापित सांची विश्वविद्यालय में जुलाई, 2018 से तीसराअकादमिक सत्र प्रारंभ हुआ। इस सत्र में Indo-Tibetan Border PolicE (ITBP) द्वारा चीनी भाषापाठ्यक्रम में अध्ययन हेतु 19 अधिकारियों/जवानों का दाखिला कराया गया है।

2018 में विश्वविद्यालय ने पाली भाषा में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम प्रारंभ किया। विश्वविद्यालय मेंभारतीय दर्षन, बौद्ध दर्षन, वैदिक अध्ययन, आयुर्वेद, योग, संस्कृत, भारतीय चित्रकला, हिन्दी एवं अंग्रेजी33में पी.एच.डी, एम.फिल, एम.ए./एम.एस.सी. एवं चीनी भाषा प्रमाण-पत्र तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालितहै, जिनमें लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार के द्वारा शोधार्थियों/विद्यार्थियों का चयन किया जाता है।

वर्ष 2018-19 में आयोजित यूजीसी नेट परीक्षा में विश्वविद्यालय के आठ छात्र-छात्राएँचयनितहुए। जिसमें योग विभाग के दो, हिन्दी विभाग के दो, बौद्ध अध्ययन के तीन एवं इंडियन पेन्टिंगकी एक छात्रा शामिल है। चित्रकला विभाग के एक छात्र ने AIFACS (All India Fine Arts & CraftSociety, New Delhi) का राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता है।

विश्वविद्यालय द्वारा समन्वित चिकित्सा एवं भोजन पर आधारित पुणे के प्रसिद्ध डॉक्टर प्रवीणचैरड़िया का श्डमकपबपदम थ्तमम स्पमिश् पर केन्द्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय मेंअन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 से 25 जून, 2018 तक 'योग' कार्यषाला में 'विश्व योग' अन्तर्गतयोगनिद्रा एवं अंतमौन, योगाभ्यास के सामान्य नियम, लाभ एवं सावधानियों पर चर्चा की गई।

23 से 29 अगस्त के मध्य संस्कृत सप्ताह में NCERT के प्रो. जतिन्द्र मोहन मिश्रा द्वारा“Sanskrit Grammatical Tradition” पर विशिष्ट व्याख्यान तथा ओडिशा के श्री जगन्नाथ संस्कृतविश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो. ब्रजकिशोर स्वाई द्वारा “कल्पसूत्र“ पर व्याख्यान हुआ। नागपुर के कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने “Research forResurgence” पर बात रखी।

विश्वविद्यालय में 25 से 29 सितम्बर तक 'आधुनिक परिप्रेक्ष्य में भारतीय दर्षन का लेखन' परपाँच दिवसीय कार्यषाला में भारतीय दर्षन की नवीन अध्ययन-अध्यापन सामग्री का निर्माण एवं संग्रहके उद्देष्य पर विचार-मंथन किया गया। भारतीय इतिहास अनुसंधान- नई दिल्ली के अध्यक्षप्रो. अरविन्द जामखेड़कर की मौजूदगी में 15 सत्रों में 33 प्रबुद्ध वक्ताओं ने पुरातत्व, इतिहास एवं मौलिकशास्त्रों के अनुषीलन आदि पर नवीन शोधों को आधार बनाकर नये ग्रन्थों की आवष्यकता प्रतिपादितकी। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग, भारतीय दार्षनिक अनुसंधान परिषद् और भारतीय इतिहासअनुसंधान परिषद् द्वारा समर्थित कार्यषाला का समापन माननीया राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदीबेनपटेल जी ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन की पांचवीं कड़ी में 17 से 19 दिसम्बर तक विभिन्न देशों सेपधारे 34 प्रबुद्धजनों समेत देशभर के 130 विद्वानों ने 'षाक्त तंत्र एवं श्रीविद्या' के विभिन्न पहलुओं परशोध-पत्र एवं विचार प्रस्तुत किये। तंत्र और श्रीविद्या पर अपनी तरह के पहले आयोजन में केरल केकेवलम श्री कुमार पणिक्कर का शास्त्रीय गायन एवं कर्नाटक के पंडित गनपति भट्ट हसनागी द्वाराहिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत प्रस्तुत किया गया।

जापान के ताइशोविश्वविद्यालय के प्रोफेसर रियोजुन सातो ने साँची विश्वविद्यालय के छात्रोंएवं शिक्षकों को विशेष व्याख्यान में संबोधित करते हुए जापान के बौद्ध अध्ययन से संबंधित विश्वविद्यालयों के साथ सांची विश्वविद्यालय के संबंध स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। नासा के वैज्ञानिकप्रो. नारायण स्वामी ने "Wisdom of Vedas" पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय के वैदिकअध्ययन विभाग ने जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय के प्रो. गिरीशनाथ झा का "Digital Heritage &Computational Tools" पर व्याख्यान आयोजित किया। केन्द्रीय ग्रन्थालय में "शिक्षा और विचार मेंस्वावलंबन" पर आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर वी.के. त्रिपाठी का व्याख्यान हुआ।

विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग ने पारमिता भित्ति पत्रिका का नवीन अंक जारी किया। हिन्दी केसुप्रसिद्ध लेखक श्री विजयबहादुर सिंह के हिंदी दिवस पर विशेष वक्तव्य के साथ ही विभाग में विभिन्न परिचर्चाएँ,वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, निबन्ध, भाषण, पोस्टर एवं स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं।

मध्यप्रदेश की माननीया राज्यपाल महोदया (विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष) की पहल पररायसेन जिले के ग्राम-बिलारा को गोद लिया गया। बिलारा गाँव में स्वास्थ्य शिविर, खेल शिविर केसाथ ही विश्वविद्यालय के आयोजनों में गांव के बच्चों को आमंत्रित किया गया।'वार्षिक खेलोत्सव' में चीनी भाषा विभाग ओवरऑल चैम्पियन रहा। खेल उत्सव में क्रिकेट,वॉलीबॉल, बेडमिंटन, रस्साकषी, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस, केरम, शतरंज की प्रतियोगितायें आयोजितकी गईं।

कश्मीर के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने वाले 135 छात्रों नेविश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इन छात्रों ने विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ मुलाकात कर एक दूसरेकी संस्कृति, शिक्षा व्यवस्था, पाठ्यक्रम और संस्थाओं के बारे में जानकारी हासिल की।

माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय कीसाधारण परिषद ने विभिन्न देषों के अध्ययन केन्द्र हेतु विश्वविद्यालय को आवंटित 100 एकड़ भूमि सेलगी अतिरिक्त 20 एकड़ भूमि भी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। साधारण परिषद ने विश्वविद्यालयके अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन योजना एवं उपदान सुविधा का भी निर्णय किया।

शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन में सहायता तथा उच्चकोटि के शोध हेतु प्रोत्साहनस्वरुप प्रत्येक पी.एच.डी शोधार्थी को 14000/- रु. प्रतिमाह एवं एम.फिल शोधार्थी को 8000/- रु.प्रतिमाह की छात्रवृत्ति दी जा रही है। इसके अलावा एम.ए./एम.एस.सी पाठ्यक्रम में मेरिट आधार परचयनित छात्रों को विशेष छात्रवृत्ति दी जाती है। संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के उद्देष्य से इंडिक अकादमीद्वारा विश्वविद्यालय में संस्कृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के पांच छात्रों को 5,000/- रु. प्रतिमाह छात्रवृत्तिदी जा रही है।

मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद

मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद को साहित्यिक सांस्कृतिक गतिविधियों को संचालित करने के लिएमध्यप्रदेश शासन द्वारा नियमित अनुदान दिया जाता है। परिषद के अंतर्गत कार्यरत अकादमियों द्वारासंस्कृति विभाग के मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुरूप कला और साहित्य के संरक्षण, संवर्धन और विकासके लिए कार्य किये जाते हैं। परिषद अपने अनुषंगों के माध्यम से विभाग के लिए निर्धारित

विभागीययोजनाओं को विस्तार देते हुए मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के अन्तर्गत उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीतएवं कला अकादमी, आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, साहित्य अकादमी, कालिदाससंस्कृत अकादमी, सिंधी साहित्य अकादमी, मराठी साहित्य अकादमी, भोजपुरी साहित्य अकादमी, पंजाबीसाहित्य अकादमी एवं मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय कार्यरत हैं। मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसारमध्यप्रदेश उर्दू अकादमी का विलय किया गया है।

(1) उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी-भोपाल

अकादमी द्वारा वित्तीय वर्ष 2018-19 में अपनी प्रकृति अनुरूप विभिन्न सांगीतिक एवं अन्यकलाओं पर केन्द्रित कार्यक्रमों का आयोजन एवं समन्वय किया गया है, जिनमें शास्त्रीय संगीत-नृत्यप्रशिक्षण कार्यषालाएँ, गुरु पूर्णिमा संगीत समारोह नाना साहेब पानसे, उस्ताद लतीफ खाँ की स्मृति मेंदुर्लभ वाद्य प्रसंग, पं. नंदकिषोर शर्मा स्मृति समारोह, राग अमीर समारोह, गढ़कुण्डार महोत्सव, विरासतमहोत्सव, पण्डित कृष्ण राव शंकर पण्डित स्मृति समारोह, तानसेन समारोह ग्वालियर, खजुराहो नृत्यसमारोह खजुराहो, अलाउद्दीन खाँ संगीत समारोह मैहर, कुमार गंधर्व समारोह देवास, राग अमीरसमारोह इंदौर इत्यादि प्रमुख समारोह हैं।

अकादमी के अन्तर्गत दो प्रमुख संगीत केन्द्रः-

ध्रुपद केन्द्र, भोपाल/ग्वालियरः- हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की विषुद्ध एवं अत्यन्तप्राचीन गायन शैली ध्रुपद के नाम से विख्यात है। इस केन्द्र में गुरु-शिष्य परम्परा के अंतर्गत छात्रवृत्तिपर विद्यार्थियों को ध्रुपद गायन का गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

चक्रधर नृत्य केन्द्र, भोपालः- रायगढ़ घराने के महान नृतक महाराज चक्रधर सिंह कीस्मृति में कथक नृत्य शैली की शिक्षा लगभग चार दशकों से अकादमी द्वारा गुरु-शिष्य परम्परा केअन्तर्गत प्रदान की जा रही है। चक्रधर नृत्य केन्द्र से अनेक छात्राओं ने कथक नृत्य में उच्च प्रशिक्षणप्राप्त किया।

(2) आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल

अकादमी मध्यप्रदेश में निवासरत जनजातीय और लोक संस्कृति विषयक सर्वेक्षण, दस्तावेजीकरण,प्रकाशन और समारोहों के आयोजन करती है। उक्त कार्य के विस्तार अन्तर्गत मध्यप्रदेश जनजातीयसंग्रहालय-भोपाल, आदिवर्त जनजातीय और लोक कला राज्य संग्रहालय-खजुराहो, तुलसी शोधसंस्थान-चित्रकूट, त्रिवेणी कला एवं पुरातत्व संग्रहालय-उज्जैन और सर्वांग श्रीकृष्ण द्वारा सीखीकलाओं की दीर्घा का संचालन उज्जैन में किया जा रहा है। पारम्परिक कलाओं के संरक्षण, संवर्धन तथाबोलियों के विकास अन्तर्गत पुस्तक, पुस्तिकाओं एवं पत्रिका का नियमित प्रकाशन होता है।

वित्तीय वर्ष 2018-19 में अकादमी द्वारा विभिन्न प्रकृति के आयोजनों के अन्तर्गत तुलसीपर्व-उज्जैन, तुलसी जयन्ती समारोह-चित्रकूट, तुलसी उत्सव रघुनाथ गाथा-चित्रकूट, जनजातीय चित्रप्रदर्शनी-खजुराहो, जनजातीय चित्र शिविर-खजुराहो, नदी महोत्सव-मण्डलेष्वर, जनरंजन समारोह-हरदा,इंदल उत्सव-बड़वानी, माच समारोह-उज्जैन, शरदोत्सव-चित्रकूट, निमाड़ उत्सव-महेश्वर, लोकरंगसमारोह-भोपाल, राष्ट्रीय शिल्प मेला-भोपाल, विविधा प्रदर्शनी-भोपाल, पहचान समारोह-दमोह औरमहाबोधि-साँची आयोजित किए गए हैं।

चैमासिक पत्रिका चैमासा के तीन अंकों क्रमषः 106, 107 और 108 का प्रकाशन, वृक्ष कीउत्पत्ति कथाएँ, देवी गीत और रामा भील अनुषंग पुस्तिकाएँ, नाग केसर, फाग-फुहार, त्रिवेणीके लोक देव, कर्मा गीत, बुन्देली के होली गीत, विष्णोई संत परमानन्द बणिहाल, मालवाके भित्ति चित्र, देवी के 108 स्वरूप आधारित हिन्दी और अंग्रेजी में पृथक-पृथक देवी पुस्तकें, श्रीकृष्णद्वारा सीखी चैदह विद्याओं और चैसठ कलाओं

आधारित पुस्तक सर्वांग (हिन्दी एवं अंग्रेजी में) तथासंस्कृति सलिला नर्मदा, वृक्ष पुराण, कालदर्षन, कहे जन सिंगा और सम्पदा पुस्तकों कापुनर्प्रकाशन किया गया है।

सर्वेक्षण और दस्तावेजीकरण अन्तर्गत मध्यप्रदेश की सभी प्रमुख जनजातियों क्रमषः बैगा,भारिया, सहरिया, भील, कोरकू, कोल और गोण्ड के अलग-अलग पक्षों पर आधारित फिल्मांकन कार्य,अवसरानुकूल गाये जाने वाले गीतों का ध्वन्यांकन और मौखिक साहित्य का संकलन किया गया है।प्रदेश की पिछड़ी जनजातियों क्रमषः बैगा, सहरिया और भारिया जनजातियों के विषाल सांस्कृतिकसंदर्भ केन्द्रों की स्थापना हेतु कार्यवाही प्रचलन में है। भील बहुल क्षेत्र धार में भील जनजातीय संस्कृतिसंदर्भ केन्द्र की स्थापना माण्डू का कार्य भी प्रचलन में है।

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय, भोपाल

जनजातीय जीवन, देशज ज्ञान परम्परा और सौन्दर्यबोध पर एकाग्र संग्रहालय भोपाल मेंसंचालित है। संग्रहालय में वर्तमान में पाँच दीर्घाएँ संचालित हैं जो क्रमषः जनजातीय जीवन, कलाबोध,देवलोक, छततीसगढ़ तथा जनजातीय बाल खेलों पर आधारित हैं। संग्रहालय में विभिन्न गतिविधियाँ वर्षभर संचालित रहती हैं। विविध माध्यमों के शिविर संग्रहालय को समृद्ध करने तथा रख-रखाव एवंसज्जा की दृष्टि से संचालित होते हैं। वित्तीय वर्ष 2018-19 में गोण्ड जनजातीय के मूलाधारी आख्यानगोण्डवानी और रामायणी का चित्रांकन, गोण्ड जनजातीय में प्रचलित नर्मदा की कथा का चित्रांकन,संग्रहालय का वर्षगांठ समारोह प्रत्येक शुक्रवार को रंग प्रयोगों के प्रदर्षन केन्द्रित समारोह अभिनयन,अन्तर्राष्ट्रीय जनजातीय दिवस अवसर पर समारोह, परम्परा में नव प्रयोगों एवं नवांकुरों के लिये प्रत्येकरविवार को उत्तराधिकार समारोह, जातक समारोह, बच्चों केन्द्रित उल्लास समारोह, निर्गुण समारोह,पुतुल समारोह, सिद्धा समारोह, खेल शिविर आदि गतिविधियाँ आयोजित की गई हैं। संग्रहालय का1,79,984 देशी पर्यटकों, 1155 विदेशी पर्यटकों ने अवलोकन किया है।

संग्रहालय के विस्तार अन्तर्गत स्वर्गीय जनगण सिंह श्याम की स्मृति में पाटनगढ़ (डिण्डोरी)में कला केन्द्र की स्थापना, रायसेन के गोण्ड बहुल क्षेत्र सुल्तानपुर में गोण्ड कला केन्द्र की स्थापनाऔर उमरिया में कला केन्द्र की स्थापना के दिषा में कार्यवाही प्रचलन में है।

'त्रिवेणी' कला एवं पुरातत्व संग्रहालय, उज्जैन

भारतीय ज्ञान परम्परा के त्रित्व शैव, शाक्त और वैष्णव परम्परा की विचार धाराओं की कलाअभिव्यक्ति केन्द्रित संग्रहालय त्रिवेणी सिंहस्थ-2016 के अवसर पर लोकार्पित हुआ है। संग्रहालय मेंइन तीनों ही परम्पराओं की चित्र एवं शिल्प अभिव्यक्तियाँ की गई हैं। एक दीर्घा प्रदर्षनी के लिये हैजिसमें समय-समय पर अलग-अलग विषयों को प्रदर्षित किया जाता है। उज्जैन स्थित सांदीपनिआश्रम में श्रीकृष्ण द्वारा सीखी चैदह विद्याओं और चैसठ कलाओं की दीर्घा सर्वांग नाम से संचालितकी जाती है।

वर्ष 2018-19 में संग्रहालय के विस्तार अन्तर्गत अठारह पुराणों में से पन्द्रह पुराणों का भारतीयलोक चित्र शैलियों में चित्रांकन कार्य आरंभ किया गया है। अवशेष तीन पुराण आगामी वित्तीय वर्ष मेंचित्रांकित कराये जा सकेंगे। सभी पुराण अलग-अलग चित्र शैलियों में चित्रित कराया जाना सुनिश्चितकिया गया है। यह अपने आप में देश का पहला प्रयास है। संग्रहालय में प्रत्येक माह शैव, शाक्त औरवैष्णव ज्ञान धाराओं के विविध विषयों आधारित व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं। नवरात्रि के अवसरपर पाँच दिवसीय लीला प्रस्तुति, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर ललित पर्व, महाशिव रात्रि के अवसरपर महोत्सव और सिद्धा समारोह का आयोजन किया गया है।

(3) साहित्य अकादमी, भोपाल

साहित्य अकादमी द्वारा वर्षभर हिंदी साहित्य के मूर्धन्य विद्वानों/लेखकों/साहित्यकारों/कवियोंएवं संतों पर विविध स्वरूप के कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। बुन्देलखण्ड अंचल के ऐतिहासिकस्थल ओरछा में केशव जयंती समारोह का आयोजन 1987 से स्थानीय प्रषासन के सहयोग से कियाजा रहा है। मध्यप्रदेश होषंगाबाद में जन्मे पंडित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय धारा के कवि हैं। प्रदेशएवं हिन्दी साहित्य के कालजयी कवि पंडित चतुर्वेदी के नाम पर वर्ष 1987 से प्रारंभ किए गये इसआयोजन की सार्थकता, प्रदेश और स्थानीय जनमानस के लिए प्रभावी रहती है। हिन्दी आलोचकडॉ. रामविलास शर्मा के नाम पर समकालीन आलोचना की स्थिति, उसकी दिषा और साहित्य के महत्त्वपर प्रदेश और देश के युवा और ख्यातिनाम समकालीन रचनाकारों और आलोचकों द्वारा विचार विमर्शकिया जाता है। सृजन-संवाद (अनुसूचित जनजाति के रचनाकारों की कार्यषाला) प्रदेश में अनुसूचितजनजाति के रचनाकारों की बहुलता है। साहित्य अकादमी इन रचनाकारों को प्रोत्साहन एवं बढ़ावा देनेके उद्देष्य से दो दिवसीय कार्यषाला का आयोजन प्रतिवर्ष करती है। क्रांतिकारियों पर विशेष महाकाव्यलिखने वाले श्रीकृष्ण सरल पर वर्ष 2006 से प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। ये अमर शहीदों के कविके रूप में विख्यात हैं। संस्कृति विभाग के द्वारा आयोजित कवि सम्मेलनों में दिवंगत कवियों पंडित ओमव्यास ओम एवं श्री लाड़ सिंह गुर्जर स्मृति कवि सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं।

श्री हरिशंकर परसाई प्रदेश ही नहीं देश के ख्यातिनाम व्यंग्यकार रहे हैं। देश के शीर्षस्थव्यंग्यकार श्री परसाई के नाम पर 1986 से स्मृति समारोह आयोजित हो रहा है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरणगुप्त का जन्मदिन 3 अगस्त 'कवि दिवस' के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। वर्ष 1988 से भारतीयस्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय काव्य धारा की प्रमुख कवियित्री सुभद्रा कुमारी चैहान पर एक कार्यक्रमआयोजित किया जाता रहा है। ख्यातिनाम व्यंग्यकार श्री शरद जोषी की स्मृति में वर्ष 2002 से एकआयोजन की स्थापना की गई है। इस समारोह के अंतर्गत प्रदेश और देश के व्यंग्य विधा में रचनारत्चर्चित और युवा रचनाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर आमंत्रित किया जाता है। श्री गजानन माधव मुक्तिबोधके नाम पर 1987 से स्मृति समारोह विमर्ष एवं पुनर्पाठ आयोजित किया जा रहा है। रीतिकाल केमहत्वपूर्ण कवि पद्माकर जिनका संबंध सागर मध्यप्रदेश से रहा है, के नाम पर यह आयोजन वर्ष 1988से साहित्य अकादमी लगातार कर रही है। बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' जी की स्मृति में वर्ष 1982 से प्रतिवर्षउनके जन्म दिवस 8 दिसम्बर को नियमित आयोजन किया जा रहा है। भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार सेपुरस्कृत समकालीनता और आधुनिकता के हिमायती कवि श्री नरेश मेहता जिनका कर्म क्षेत्र भोपालमध्यप्रदेश रहा है की स्मृति में विमर्ष एवं रचना पाठ का आयोजन किया जाता है। वर्ष 2017 सेप्रो. प्रभाकर श्रोत्रिय पर व्याख्यान प्रारंभ किया है। इस वर्ष यह व्याख्यान जिला-उज्जैन में सम्पन्न कियागया। वर्ष 2007 से प्रतिवर्ष स्वामी विवेकानन्द स्मृति समारोह उनके जयंती के अवसर पर विवेकानंदसमारोह आयोजित किया जाता है। यह आयोजन विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में युवा छात्रों,नागरिकों की उपस्थिति में किया जाता है। श्री अरविन्द के चिंतन पर्व एवं विभिन्न भारतीय भाषाओं केविद्वानों का व्याख्यान प्रतिवर्ष कराया जाता है।

साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2017 से गोपाल शरण सिंह स्मृति व्याख्यान प्रारंभ किया गया है।इस वर्ष यह व्याख्यान जिला-रीवा में सम्पन्न किया गया। साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2017 से प्रदेशकी साहित्यिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सृजनात्मक-विमर्ष दो दिवसीय प्रारम्भ किया गया। इसवर्ष यह आयोजन भोपाल में सम्पन्न हुआ। साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2017 से देश भर की प्रतिष्ठितसाहित्यिक पत्रिकाओं के सम्पादकों का सृजनात्मक-विमर्ष दो दिवसीय प्रारम्भ किया गया। इस वर्ष यहआयोजन

भोपाल में सम्पन्न हुआ। महाकवि भूशण, शिवाजी और छत्रसाल के दरवारी कवि रहे हैं। उनकेनाम से भूशण स्मृति समारोह विमर्ष एवं रचनापाठ का आयोजन वर्ष 2006 से प्रतिवर्ष किया जाता है।

साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2017 से संतों पर व्याख्यानमालाओं का आयोजन प्रारंभ कियागया है। जिसमें महर्षि जमदग्नि, महामति प्राणनाथ, महर्षि जाबालि, राजा भर्तहरि, संत सिंगाजी, ऋशिगालव आदि पर व्याख्यान आयोजित किये जा चुके हैं।पाठकमंच के अंतर्गत वर्ष में एक दर्जन से अधिक साहित्यिक पुस्तकें और कई साहित्यिकपत्रिकाएँ, समस्त पाठक मंच केन्द्रों को साहित्य अकादमी के माध्यम से भेजी जाती हैं। प्रदेश में लगभग71 पाठक मंच केन्द्र, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति तथा अन्य जिलों के साथ विश्वविद्यालय,महाविद्यालय मंे गठित हैं। स्थानीय साहित्यकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिमाह निरंतरसृजन संवाद श्रृंखला आयोजित की जाती है।

(4) कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन

सारस्वतम परिचर्चा उज्जैन, छिन्दवाड़ा, इन्दौर, कला शिविर उज्जैन शास्त्रीय नृत्यप्रशिक्षण कार्यषाला का आयोजन किया गया। संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यषाला खण्डवा में आयोजितकी गयी। समरस कलाशिविर का आयोजन किया गया। अनुसूचित जाति के पन्द्रह कलाकारों नेपट्ट शैली, तंजोर शैली एवं कलमकारी शैली में कालिदास साहित्य पर आधारित चित्रांकन किया।वनजन कला शिविर बान्धवगढ़ में 19 आदिवासी कलाकारों द्वारा रघुवंशम् पर केन्द्रित चित्रांकन कियागया। उज्जैन में वर्णागम शिविर का आयोजन कालिदास के ऋतुसंहार पर किया गया। इसमेंजलरंग (वॉश पेन्टिग) के कलाकारों ने चित्रांकन किया। नाट्य समारोह संस्कृत नाट्य महोत्सव काआयोजन इन्दौर में किया गया। इस अवसर पर तीन संस्कृत नाटकों की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दीगई। डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन स्मृति बालनाट्यम समारोह, उज्जैन तीन दिवसीय आयोजन कियागया। इसमें बच्चों द्वारा संस्कृत नाटकों की प्रस्तुति दी गई।

विविध आयोजन- संस्कृत गौरव दिवस, वाल्मीकि समारोह, भोज समारोह, कल्पवल्लीसमारोह, अ.भा. भवभूति समारोह, भर्तृहरि प्रसंग, शंकर समारोह, कालिदास प्रसंग, बाणभट्ट समारोह,अखिल भारतीय राजषेखर समारोह का आयोजन किया गया।

पुरस्कार- श्रेष्ठकृति पुरस्कार योजना के अंतर्गत संस्कृत साहित्य के वर्ष 2015-16 कीश्रेष्ठकृतियों को इस अवसर पर पुरस्कृत किया गया। अ.भा. कालिदास पुरस्कार, प्रादेशिक भोज, व्यासएवं राजषेखर पुरस्कार प्रदान किए गए। राष्ट्रीय कालिदास चित्र एवं मूर्तिकला के चार पुरस्कार प्रदानकिये जाते हैं।

प्रकाशन - पाणिनीय शिक्षा का द्वितीय संस्करण प्रकाशित किया गया। कालिदास के जीवनवृत्त पर केन्द्रित नाटक कालिदासचरितम् का संस्कृत हिन्दी एवं मालवी भाषा में, माच लोक बोली परकेन्द्रित तीन लोकनाट्यों कालिदास, शाकुन्तला, राजा विक्रमादित्य का एक सम्पुट में प्रकाशन, महाकविभवभूति पर केन्द्रित भवभूति उपन्यास, ऋतुसंहार के हिन्दी पद्यानुवाद, कालिदास शोध पत्रिका के तीनअंकों का प्रकाशन तथा स्मारिका “पुनर्नवा” एवं समाचार पत्रिका “वृतांत” का प्रकाशन किया गया।

(5) सिन्धी साहित्य अकादमी, भोपाल

इस वर्ष सिंधी साहित्य अकादमी द्वारा निम्नलिखित आयोजन किये गये। संत कंवररामजयंती समारोह दमोह, सिंधु दर्षन यात्रा लेह-लद्दाख, राष्ट्रीय सिंधी नाट्य समारोह-इन्दौरएवं ग्वालियर नाट्य प्रस्तुतियां, राष्ट्रीय सिंधी कवि सम्मेलन-भोपाल, राष्ट्रीय साहित्यकारसम्मेलन (दो दिवसीय) पचमढ़ी, राष्ट्रीय चेतना जा सुर संतनगर, भोपाल, कृष्ण खटवाणीप्रसंग-इन्दौर, वक्तव्य एवं नाट्य प्रस्तुति, सिंधु महोत्सव संत नगर, भोपाल, प्रादेशिक सिंधी कविसम्मेलन सतना, सिंधु आइडल भोपाल, भगत गायन -पारम्परिक सिंधी गायन भोपाल,जागरुकता केन्द्रित नाट्य मंचन मन्दसौर, सागर, सुहिणा सिंधी समारोह दतिया, राष्ट्रीय

सिंधीफिल्म समारोह हेमू कालानी शहीदी दिवस, पाठक मंच 10 शहरों में इन्दौर, बुरहानपुर, जबलपुर एवंखण्डवा आदि, कार्यषाला/शिविर/सेमीनार, रचनापाठ, युवा प्रशिक्षण कार्यशाला भोपाल,ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर संत नगर षुजालपुर, मैहर, सिंधी अद्वी महफिल- भोपाल में युवारचनाकारों की कार्यशाला, पचमढ़ी, नवीन सिंधी भाषी कलाकारों का चयन शिविरजबलपुर/भोपाल, पाण्डुलिपि एवं अनुवाद सिंधी अरबी देवनागरी, सिन्धु मषाल पत्रिका का प्रकाशनलगातार किया जा रहा है।

(6) मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, भोपाल

उर्दू अकादमी का गठन राज्य शासन द्वारा वर्ष 1976 में किया गया। 02 जुलाई 2014 मेंअकादमी का विलय किया गया है। अकादमी मध्यप्रदेश में उर्दू भाषा, तालीम और साहित्य के प्रोत्साहन,संरक्षण के लिये आवष्यक प्रयत्न करती है। नये रचनात्मक और आलोचनात्मक उर्दू साहित्य काप्रकाशन। साहित्य सम्मेलन परिचर्चा, गोष्ठियों आदि का आयोजन।लायब्रेरियों को इमदाद, जरूरतमंदऔर बीमार लेखकों को माली मदद, साहित्यिक और सांस्कृतिक इदारों को उनके आयोजनों के लियेसहायता प्रदान करती है। उर्दू अकादमी द्वारा मुख्य रूप से निम्नलिखित कार्य किए गए:-

उर्दू साहित्य के 07 शायरों/अदीबों की पुस्तकें प्रकाशित करने हेतु आर्थिक सहायता दी गईतथा 05 पुस्तकें अकादमी द्वारा प्रकाशित की गईं इसके अतिरिक्त 04 शायरों/अदीबों के मोनोग्राफप्रकाशित किये गये। म.प्र. उर्दू अकादमी द्वारा इस वर्ष कला पंचांग में अंकित 22 राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीयआयोजन किये गए हैं जिनमें क़व्वाली, मुषायरा, सेमिनार, जष्ने ईद सूफियाना, इकबाल समारोह, जष्नेउर्दू यह सभी कार्यक्रम भोपाल, शिवपुरी, बुरहानपुर एवं जबलपुर में आयोजित किये गये। मध्यप्रदेश उर्दूअकादमी द्वारा नई प्रतिभाओं को तलाश करने हेतु प्रदेश के सभी संभागों जैसे भोपाल, उज्जैन, इन्दौर,सागर, जबलपुर, ग्वालियर, चम्बल एवं रीवा इत्यादि में "तलाशे जौहर" का आयोजन किया गया। उर्दूअकादमी के उल्लेखनीय कार्यों में एक प्रमुख कार्य अकादमी स्थित पुस्तकालय का डिजिटाइजेशन काहै जो इस वर्ष हुआ है। अन्य उल्लेखनीय गतिविधियों में अनुवाद प्रकोष्ठ की स्थापना है। इसमें अभीतक गुलाबी उर्दू के जनक मुल्ला रमुजी की उर्दू में लिखी हुई तीन पुस्तकों का देवनागिरी में अनुवादकिया गया है। उर्दू अकादमी द्वारा हर वर्ष शायरों/अदीबों को उनकी लम्बी खिदमात के लियेसम्मान देती है। इसमें 06 अखिल भारतीय एवं 13 प्रादेशिक सम्मान शामिल हैं। अखिल भारतीयसम्मान की राशि रुपये 51,000/- एवं प्रादेशिक सम्मान की राशि रुपये 31,000/- है। उर्दूअकादमी द्वारा उर्दू सिखाने की कक्षाओं का संचालन मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन, नालन्दा पब्लिक स्कूल,अरेरा कालोनी, सिरोंज एवं ग्वालियर में किया जाता है। अकादमी द्वारा निःषुल्क गजल कक्षा(रजिस्ट्रेशन रुपये 100/-), उर्दू डिप्लोमा कोर्स (रजि. रु. 200/-) परशियन प्रमाण पत्र कोर्स (रजि.रु. 200/-), अरबी प्रमाण पत्र कोर्स (रजि. रु. 200/-) एवं कैलीग्राफी एवं ग्राफिक डिजाईन की शिक्षाकी व्यवस्था की गई है। उर्दू अकादमी द्वारा त्रैमासिक पत्रिका तमसील एवं खबरनामा मौजे नर्मदा काप्रकाशन कर देशभर में वितरण किया जाता है।

उर्दू अकादमी द्वारा उर्दू में 90 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने वाले हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्ड्री के छात्र-छात्राओं को पुरस्कार राशि दी जाती है। प्रथम पुरस्कार रुपये2,000/-, द्वितीय पुरस्कार रुपये 1,500/- एवं तृतीय पुरस्कार रुपये 1,000/- के दिये जाते हैं।इनके अलावा बी.ए, एम.ए. एवं एम.फिल में उर्दू विषय में 70 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करनेवालों को प्रथम पुरस्कार राशि रुपये 5,000/-, द्वितीय पुरस्कार राशि रुपये 4,000/- एवं तृतीयपुरस्कार राशि रुपये 3,000/- दिये जाते हैं इसके अतिरिक्त ट्राफी एवं प्रमाण-पत्र भी दिये जाते हैं।यह पुरस्कार भोपाल, खण्डवा, इन्दौर, बुरहानपुर, उज्जैन, सिरोंज, देवास, ग्वालियर, कोरवाई एवं सीहोरके छा़त्र-छात्रओं को दिये गये। उर्दू सप्ताह के अन्तर्गत प्रदेश के भोपाल, इन्दौर, खण्डवा, बुरहानपुर,जबलपुर, बड़वानी एवं सीहोर के विद्यालय/महाविद्यालय के 286

विजेता छात्र-छात्राओं को प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिया गया। जिसमें नगद राशि, ट्राफी एवं प्रमाण-पत्र दिये गये।

(7) मराठी साहित्य अकादमी, भोपाल

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के अन्तर्गत मध्यप्रदेश में मराठी कला, संस्कृति एवं साहित्यको प्रोत्साहन, संरक्षण देने के उद्देष्य से मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद् के अन्तर्गत मराठी साहित्यअकादमी का गठन किया गया। अकादमी 2010 से निरंतर अपने लक्ष्य एवं उद्देष्य की ओर अग्रसरहै। अकादमी द्वारा इस वर्ष बहुविध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां सम्पन्न की गईं। लोकधारारंगयात्राः पीथमपुर में आयोजित समारोह में ''संत तुकाराम चरित'' एवं ''मराठमोळी लोकधारा''की वृहद प्रस्तुति सम्पन्न हुई। संतवाणी, भोपाल, मराठी नाट्य प्रसंग, छिंदवाड़ा, बोलावा विठ्ठल,भोपाल जिसमें देश के शीर्षस्थ गायक जयतीर्थ मेवुंडी तथा रंजनी एवं गायत्री बालासुब्रहमण्यम् द्वाराकर्नाटक शैली में मराठी अभंग भजन व भक्ति संगीत की प्रस्तुति दी गई। रजत रंग, भोपाल, तीनदिवसीय मराठी फिल्मोत्सव में फिल्म प्रीमियर के साथ सिनेमा के दिग्दर्षक एवं मुख्य पात्र विशेष रूपसे उपस्थित रहे। श्री गुरु गोविंद सिंह जी की 350वीं जयंती-बुरहानपुर, शारदोत्सव-विदिषा,मराठी जत्रा-इंदौर, शारदोत्सव-सागर, दिवाली पहाट-भोपाल, कोचकर स्मृति नाट्यप्रसंग-बालाघाट, आवर्तन-बुरहानपुर, कृति वैशिष्ठ्य-इंदौर, संतवाणी, गीत रामायण, भारतभवन, भोपाल।

(8) भोजपुरी साहित्य अकादमी, भोपाल

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के अंतर्गत संस्कृति परिषद् के अनुषंग के रूप में भोजपुरीसाहित्य, संस्कृति और कला के सम्मान, संरक्षण, विकास और प्रोत्साहन के लिये भोजपुरी साहित्यअकादमी का गठन जुलाई, 2013 में किया गया। अकादमी अपने उद्देष्यों के अनुरूप भोजपुरी भाषा,साहित्य, कला, संस्कृति, इतिहास, नृत्य संगीत, गीत, सिनेमा नाटक आदि विधाओं से संबंधितअकादमिक शोधपरक कार्यों और पारम्परिक आधुनिक समकालीन सृजनात्मकता पर कार्य कर रही है।

वर्ष 2018-19 में मण्डीदीप जिला-रायसेन में बसंत पंचमी महापर्व में ख्यात गायक श्री मुकेशतिवारी की प्रस्तुति हुई। संस्कृति विभाग द्वारा जनवरी, 2018 में ओंकारेश्वरमें आयोजित एकात्म पर्व मेंअकादमी ने समन्वय एवं कतिपय व्यवस्थाओं का कार्य किया। भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक फिल्मसमारोह का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत महत्वपूर्ण विमर्ष भी आयोजित हुये। दमोह में भिखारीठाकुर स्मृति नाट्य समारोह आयोजित हुआ। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा समारोह का आयोजन अकादमी नेकिया। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के आयोजन थिऐटर ओलंपिक में मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग कीओर से अकादमी ने स्थानीय सहयोग एवं वांछित समन्वय का कार्य किया।

पाथाखेड़ा, सारनी जिला-बैतूल में कजरी बिरहा गायन समारोह में पारम्परिक गायनप्रस्तुतियाँ संयोजित की गई। सतना में स्वाधीनता दिवस का लोकपर्व के अंतर्गत गायन एवं नाट्यप्रस्तुतियाँ करायी गई। जबलपुर में छन्द प्रसंग आयोजन के अंतर्गत भोजपुरी रचनाओं पर आधारितशास्त्रीय/पारम्परिक नृत्य प्रस्तुत हुये। कटनी में भिखारी ठाकुर स्मृति समारोह आयोजित हुआ। भोपालमें छठ प्रसंग, होषंगाबाद में निर्गुण समारोह एवं मैहर, जिला-सतना में ठुमरी समारोह आयोजित किये गये।

(9) पंजाबी साहित्य अकादमी भोपाल

पंजाबी साहित्य अकादमी का गठन मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग ने मध्यप्रदेश संस्कृतिपरिषद के अन्तर्गत मध्यप्रदेश में पंजाबी भाषा, साहित्य, कला, शिल्प, संस्कृति, रंगमंच, सिनेमा, नाटकएवं अन्य बहुविध रचनात्मक कार्यो के संरक्षण, संवर्धन, विस्तार, युवाओं को पंजाबी भाषा, परम्पराओं एवंसंस्कृति के प्रति अभिरूचि और प्रोत्साहन के उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति के लिये किया है। वर्तमान वित्तीयवर्ष की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ इस प्रकार हैं बैसाखी पर्व गुना, बैसाखी पर्व संकीर्तन की प्रस्तुतिअशोकनगर, बैसाखी पर्व पंजाबी लोकनृत्य एवं लोकगायन ग्वालियर, बैसाखी महोत्सव-उज्जैन, बैसाखी महोत्सव-इन्दौर , विरसा पंजाब दा-खरगौन, प्रशिक्षण एवंकार्यशाला/शिविर-जबलपुर, अभ्यास वर्ग सेमिनार-इन्दौर, सेमिनार एवं नाट्य प्रदर्शनरतलाम, सेमिनार एवं नाट्य प्रदर्शन-बड़वानी, शहादत गाथा-खरगौन, सूफियाना गायनइन्दौर, नाट्य समारोह-छिन्दवाड़ा, गुरुनानक देवजी की जयंती-सागर, स्मरण एवं चलसमारोह गुना, शहीद दिवस-बालाघाट।

(10) सृजनपीठ

युवा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के उद्देष्य से प्रेमचंद सृजनपीठ-उज्जैन, मुक्तिबोधसृजनपीठ-सागर एवं निराला सृजनपीठ-भोपाल में स्थापित हैं।बाल साहित्य सृजनपीठ, इंदौर की स्थापना अक्टूबर, 2008 में की गई। सृजनपीठ ने अपनीस्थापना के तुरंत बाद से ही प्रदेश में नई पीढ़ी को साहित्य सृजन की दृष्टि से प्रशिक्षित करना प्रारंभकिया है। बच्चों में सृजनात्मक प्रतिभाओं के विकास के लिए साहित्य सृजनपीठ, इन्दौर द्वारा प्रान्तीयस्तर पर बाल साहित्य की विविध विधाओं में लेखन की प्रशिक्षण कार्यषालाएं आयोजित की गई हैं। इनकार्यषालाओं में नगर के सभी प्रमुख विद्यालयों के बच्चों की सहभागिता रही। बाल साहित्य की विविधविधाओं की बच्चों के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाएं लगाई गईं।

(11) मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल

मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय के विद्यार्थियों को माह अप्रैल, 2018 से नियमित अध्ययन एवंप्रशिक्षण अंतर्गत निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार विद्यालय में कार्यरत् व्याख्याताओं एवं अतिथि व्याख्याताओंद्वारा रंगमंच की विभिन्न विधाओं - अभिनय, वस्त्र विन्यास, अखाड़ा युद्धकला, वाणी एवं संभाषण, नाट्यविशलेषण, रंग संगीत, रूप सज्जा, योग, कल्लरी पायट्टू, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, भारतीय शास्त्रीय नाटक,छऊ, मंच आकल्पन, रंग सिद्धान्त, कथकली, नाट्यलेखन, थांग्टा ताइची, बुन्देली लोक संस्कृति प्रबंधन,बुन्देली नृत्य संरचना, स्वांग, प्रकाश परिकल्पना, नाट्य शास्त्र, ध्रपुद गायन, कविताओं एवं माच शैली,जम्मू काष्मीर की लोक संस्कृति पर आधारित दृश्य विन्यास-भांडपाथेर, थांग्टा एवं मणिपुरी, आंगिकअभिनय, मध्यप्रदेश की लोक नाट्य परंपरा-माच, शेक्सपियर पर आधारित कक्षाभ्यास प्रस्तुति एवंशिक्षण-प्रशिक्षण में अन्त्तसंवाद श्रृंखला के अन्तर्गत विद्या विशेषज्ञों एवं रंग विभूतियों द्वारा संवाद कियागया।

माह अप्रैल एवं मई, 2018 में सत्र 2018-19 के लिये इन्दौर, जबलपुर, ग्वालियर, सतना एवंभोपाल में प्रारम्भिक कार्यषालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में चयनित विद्यार्थियों को 17 से21 जून, 2018 तक शहीद भवन, भोपाल में आयोजित अंतिम चयन कार्यषाला में शिरकत करने के लियेआमंत्रित किया गया। उपर्युक्त अभ्यर्थियों में से 26 विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन किया गया।16 जुलाई, 2018 से आठवें सत्र (2018-19) का प्रारम्भ हुआ।

सत्र 2016-17 में सफलतापूर्वक अध्ययन अनुदान प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों द्वारा तैयार कियेगये नाट्य प्रस्तुतियों में से श्रेष्ठतम 9 प्रस्तुतियों - अफसरनामा, शनिवार को 2 बजे हैं, मिर्जा कीसाहिबा, शून्य, पकवाघर, गठानें, अरे भाई मन्टो, पंछी ऐसे आते हैं का मंचन ‘‘नवागत नाट्य समारोह,2018‘‘ में किया गया।

विद्यालय के सत्र 2017-18 के विद्यार्थियों द्वारा एक वर्ष पूर्ण हो जाने के उपलक्ष्य में ''सत्रसमाप्ति नाट्य समारोह'' का आयोजन जबलपुर में किया गया। सत्र समाप्ति नाट्य समारोह में सत्र2017-18 के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किये गये नाटको का प्रदर्षन श्री पार्थो बन्धोपाध्याय, कोलकाता केनिर्देशन में ''सम्राट अषोक'', श्री सी. आर. जाम्बे, बैंगलोर के निर्देशन में ''चित्रपट'', श्री के.के. राजनके निर्देशन में ''जूलियस सीजर'', श्री आलोक चटर्जी के निर्देशन में ''तलघर'' तथा श्री संजय उपाध्यायके निर्देशन में ''कादम्बरी'' का प्रदर्षन किया गया। सत्र 2018-19 के विद्यार्थियों के लिये मध्यप्रदेशनाट्य विद्यालय द्वारा जबलपुर में परिचयात्मक सत्र का आयोजन किया गया।

बुन्देली भ्रमणशील कार्यषाला का आयोजन छतरपुर में किया गया, कार्यशाला के दौरान लोकनाट्य शैली पर आधारित ''हंसा करले किलोल'' का निर्माण किया गया, जिसका प्रदर्षन रविन्द्र भवनसभागार, भोपाल एवं छतरपुर में किया गया है। नियमित अध्ययन अंतर्गत सत्र 2018-19 के विद्यार्थियोंको श्री ओमप्रकाशशर्मा एवं राजेन्द्र अवस्थी के निर्देशन में, ''माच'' की कक्षाभ्यास प्रस्तुति एवं श्री मुश्ताककाक, जम्मू के निर्देशन में ''भाण पाथेर'' की कक्षाभ्यास प्रस्तुति मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय परिसरसभागार में आयोजित की गई। श्री सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ, लखनऊ के निर्देशन में तैयार नाटक ''बरी दडेड'' का मंचन मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, परिसर में किया गया। प्रारंभिक चयन कार्यषाला सत्र2018-19 की प्रक्रिया निरन्तर है।

6. भारत भवन न्यास, भोपाल

भारत भवन की स्थापना 13 फरवरी 1982 को हुई थी। भारत भवन एक बहुकला केन्द्र है जोश्यामला हिल्स पर बड़ी झील के किनारे सुविख्यात वास्तुविद चार्ल्स कोरिया द्वारा आकल्पित विशाल इमारतमें स्थित है। इसके परिसर में अनेक दीर्घाएं, सभागार, संग्रहालय, पुस्तकालय, अभिलेखागार, कार्यशालाएंआदि स्थित हैं। मध्यप्रदेश शासन द्वारा पूर्णतः वित्त पोशित भारत भवन मध्य प्रदेश एक्ट 1951 के अन्तर्गतपंजीकृत एक स्वायत्त न्यास है।

भारत भवन का उद्देश्य कलाओं का संरक्षण, अनुसंधान, संवर्द्धन और विस्तार करते हुएसृजनात्मक कलाओं के क्षेत्र में उत्कृष्टता के राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में स्थापित होना, आदिवासी और लोककलाओं के क्षेत्र में हो रहे व्यवस्थित और वैज्ञानिक अध्ययन का संवर्द्धन, प्रोत्साहन और समर्थन करना,कलात्मक प्रस्तुतियों, प्रदर्षनों, मल्टी मीडिया प्रक्षेपों, परिसंवादों, सम्मेलनों आदि के माध्यम से आलोचनात्मकसंवाद का सक्रिय मंच तैयार करना, सृजनात्मक, कलात्मक प्रक्रियाओं के व्यवस्थित वैज्ञानिक अनुसंधानऔर समझ को समर्थन और प्रोत्साहन देते हुए विज्ञान और कलाओं के बीच के बौद्धिक अन्तराल कोपाटना तथा कलाओं और संस्कृति के क्षेत्र में भावी अनुसंधानों के लिए अन्य राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीयकेन्द्रों के साथ सम्पर्क एवं सहकार स्थापित करना है।

भारत भवन में रूपंकर (आधुनिक तथा आदिवासी लोक कला केन्द्र तथा संग्रहालय), रंगमण्डल(नाट्य प्रभाग), वागर्थ (भारतीय कविता केन्द्र और पुस्तकालय), अनहद (षास्त्रीय और लोक संगीत काकेन्द्र) छवि प्रभाग (उत्कृष्ट सिनेमा पर केन्द्रित) और विश्व कविता केन्द्र आदि प्रमुख प्रभाग कार्यरत हैं।

वर्ष 2018-19 में अनेक सांस्कृतिक गतिविधियां एवं महत्वपूर्ण समारोह के साथ-साथ राज्योंकी कला संस्कृति पर एकाग्र समारोह, हरियाणा महोत्सव, दिनमान समारोह, युवा-6, कविता कहानीपाठ, विषेश संगीत सभा, गायन पर्व, बादल राग, सप्तक, शेक्सपियर नाट्य समारोह, अतिथि नाट्यप्रस्तुति, आदरांजलि समारोह, प्रणति प्रदर्षनियां, परिधि आउटरिच, संवाद, फिल्म समारोह, पूर्वग्रह पत्रिकाका नियमित प्रकाशन,

भारत भवन की 37वीं वर्षगांठ समारोह में कला प्रदर्षनियां, कथक की समूहप्रस्तुति, गायन वादन संगीत-नृत्य की प्रस्तुतियां नाट्य प्रस्तुति, फिल्मों का प्रदर्शन के साथ हीपद्मभूषण एवं ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित कलाकार पं. विश्वमोहन भट्ट का मोहनवीणा वादन,विश्वविख्यात तबलानवाज उस्ताद जाकिर हुसैन का तबला वादन, म.प्र. रंग उत्सव, महिला रचनाशीलतापर केन्द्रित समारोह आदि कार्यक्रम आयोजित किये गये।

7. आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, भोपाल

मध्यप्रदेश शासन द्वारा पूर्णतः वित्त पोशित ''आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास'' मध्यप्रदेशट्रस्ट पब्लिक एक्ट 1951 के अंतर्गत पंजीकृत एक स्वायत्तशासी न्यास है।न्यास का उद्देश्य आदि शंकराचार्य की भव्य प्रतिमा की ओंकारेष्वर में स्थापना है। आदिशंकराचार्य की प्रतिमा के लिए पूरे प्रदेश के गाँव-गाँव से धातु दान स्वरूप प्राप्त करना। भारतीयसंस्कृति एकता के प्रतीक के रूप में आदि शंकराचार्य की प्रतिमा का प्रस्तुतीकरण। प्रतिमा स्थल केआस-पास सुव्यवस्थित जन-सुविधाएँ विकसित करना। ओंकारेश्वर पहुंचने वाले मार्गों के निर्माण औरदेख-रेख के लिए संबंधित विभागों से सतत् समन्वय करना। भारतीय अद्वैत ज्ञान और दर्षन से जुड़ीगतिविधियों के प्रोत्साहन एवं विचारों के आदान-प्रदान के लिए कार्यषाला, सेमीनार, शोध, संगोष्ठी,व्याख्यान इत्यादि का आयोजन करना। शंकराचार्य जी के द्वारा प्रौन्नत भारतीय सांस्कृतिक एकता कीप्रदर्शनी एवं इसका लेजर, प्रकाश एवं ध्वनि माध्यम से प्रदर्षन। न्यास के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए भारतसरकार, राज्य सरकार, गैर शासकीय संस्थाओं/संगठनों, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के निकायों तथाव्यक्तियों से संपर्क, समन्वय तथा सहयोग स्थापित कर क्रियान्वयन। आचार्य शंकर अंतर्राष्ट्रीय वेदांतसंस्थान की स्थापना एवं संचालन।

''आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास'' का अस्थाई कार्यालय जनजातीय संग्रहालय, श्यामलाहिल्स, भोपाल में संचालित है। आचार्य शंकर की प्रतिमा/संग्रहालय की स्थापना हेतु ओंकारेश्वर मेंमान्धाता पर्वत पर 4.26 हैक्टेयर भूमि आंवटित हो चुकी है। अंतर्राष्ट्रीय वेदांत संस्थान की स्थापना हेतु हैक्टेयर भूमि आवंटन किये जाने हेतु प्रकरण जिला कलेक्टर खण्डवा के कार्यालय में विचाराधीन है।

वर्ष 2018-19 में आचार्य शंकर के अद्वैत वेदांत दर्षन के लोकव्यापीकरण हेतु मासिक गतिविधिके रूप में शंकर व्याख्यानमाला का आयोजन भोपाल, जबलपुर, इन्दौर, ग्वालियर में किया गया है। इसव्याख्यानमाला में अद्वैत वेदांत दर्षन के विषय विषेशज्ञों का व्याख्यान एवं विभिन्न कलाकारों के द्वारा आचार्यशंकर विरचित स्तोत्रों का गायन किया जाता है। इसी व्याख्यानमाला के अंतर्गत विद्यालयीन/महाविद्यालयीनछात्र/छात्राओं के साथ प्रेरणा संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है। प्रदेश शंकर व्याख्यानमालाका आयोजन हो चुका है। शंकर व्याख्यानमाला के आयोजन के पूर्व विद्यालयों/महाविद्यालयों एवं अन्यसंस्थानों में अद्वैत वेदांत दर्शन पर प्री-ईवेंटटॉक का भी आयोजन किया जाता है।

संस्कृति सम्मान

राष्ट्रीय सम्मान

सम्मान	स्थापना वर्ष	राशि	विषय क्षेत्र
महात्मा गांधी सम्मान	1995-96	10 लाख	गांधी विचार दर्शन (संस्था के लिए)
कबीर सम्मान	1986-87	3 लाख	भारतीय भाषाओं की कविता
तानसेन सम्मान	1980-81	2 लाख	हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत
कालिदास सम्मान	980-81	2 लाख	शास्त्रीय संगीत
कालिदास सम्मान	1980-81	2 लाख	शास्त्रीय नृत्य
कालिदास सम्मान	1980-81	2 लाख	रंगकर्म
कालिदास सम्मान	1980-81	2 लाख	रूपंकर कलाएँ
तुलसी सम्मान	1983-84	2 लाख	आदिवासी, लोक व पारम्परिक कलाएँ
लता मंगेशकर सम्मान	1984-85	2 लाख	सुगम संगीत-पाश्र्व गायन, संगीत निर्देशन
इक़बाल सम्मान	1986-87	2 लाख	उर्दू साहित्य में रचनात्मक लेखन
मैथिलीशरण गुप्त सम्मान	1987-88	2 लाख	हिन्दी कविता
कुमार गंधर्व सम्मान	1992-93	2 लाख	शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में गायन व वादनहेतु युवा कलाकार
शरद जोशी सम्मान	1992-93	2 लाख	हिन्दी व्यंग्य, ललित निबंध, रिपोर्ताज, डायरी, पत्र
देवी अहिल्या सम्मान	1996-97	2 लाख	आदिवासी, लोक एवं पारम्परिक कलाओंके क्षेत्र में महिला कलाकार
किशोर कुमार सम्मान	1997-98	2 लाख	फिल्म के क्षेत्र में निर्देशन, अभिनय, पटकथा, गीत लेखन
डॉ.विष्णु श्रीधर वाकणकर सम्मान	2005-06	2 लाख	पुरातत्व
अमर शहीद चंद्रशेखर	2006-07	2 लाख	स्वाधीनता संग्राम के आदर्श, राष्ट्रभक्तिआज़ाद सम्मान और समाजसेवा
महाराजा अग्रसेन सम्मान	2008-09	2 लाख	सामाजिक सद्भाव और समरसता
महर्षि वेद व्यास सम्मान	2008-09	2 लाख	शिक्षा
राजा मानसिंह तोमर	2011-12	1 लाख	संगीत, संस्कृति एवं कला संरक्षणसम्मान (संस्था के लिए)
नानाजी देशमुख सम्मान	2012-13	2 लाख	सामाजिक सांस्कृतिक समरसता, उत्थान, परिष्कार, आध्यात्म, परम्परा
कवि प्रदीप सम्मान	2012-13	2 लाख	मंचीय कविता के क्षेत्र में
वीरांगना लक्ष्मीबाई सम्मान	2012-13	2 लाख	देश की सुरक्षा, कर्तव्य हेतु बलिदान, अदम्य साहस, वीरता, नारी उत्थान के लिए महिलाको
सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान	2015-16	1 लाख	हिन्दी सॉफ्टवेयर, वेब डिज़ाइनिंग,डिजिटल भाषा

निर्मल वर्मा सम्मान	2015-16	1 लाख	अप्रवासी भारतीयों द्वारा हिन्दी का
विकासफादर कामिल बुल्के सम्मान	2015-16	1 लाख	विदेशी मूल के लोगों द्वारा हिन्दी भाषा/बोलियोंका विकास
गुणाकर मुले सम्मान	2015-16	1 लाख	हिन्दी में वैज्ञानिक/तकनीकी लेखन एवं पाठ्यपुस्तकों का निर्माण
हिन्दी सेवा सम्मान	2015-16	1 लाख	हिन्दी को समृद्ध करने के लिये हिन्दी भाषी लेखकों/साहित्यकारों को सम्मान

राज्य स्तरीय सम्मान

शिखर सम्मान	1980-81	1 लाख	साहित्य (हिन्दी, उर्दू, संस्कृत)
शिखर सम्मान	1980-81	1 लाख	संगीत
शिखर सम्मान	1980-81	1 लाख	नृत्य
शिखर सम्मान	1980-81	1 लाख	नाटक
शिखर सम्मान	1980-81	1 लाख	रूपंकर कला
शिखर सम्मान	1980-81	1 लाख	आदिवासी एवं लोक कलाएँ
शिखर सम्मान	2009-10	1 लाख	दुर्लभ वाद्य वादन

पुरस्कार

मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्

उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी

रूपंकर कलाओं के क्षेत्र में राज्य पुरस्कार

दत्तात्रय दामोदर देवलालीकर पुरस्कार	51,000/-
मुकुन्द सखाराम भाण्ड पुरस्कार	51,000/-
रघुनाथ कृष्णराव फड़के पुरस्कार	51,000/-
नारायण श्रीधर बेन्द्र पुरस्कार	51,000/-
जगदीश स्वामीनाथन पुरस्कार	51,000/-
सैयद हैदर रज़ा पुरस्कार	51,000/-
देवकृष्ण जटाशंकर जोशी पुरस्कर	51,000/-
विष्णु चिंचालकर पुरस्कार	51,000/-
लक्ष्मीसिंह राजपूत पुरस्कार	51,000/-
राममनोहर सिन्हा पुरस्कार	51,000/-
उस्ताद लतीफ़ ख़ाँ सम्मान(दुर्लभ वाद्यों के प्रतिष्ठित एवं शीर्ष कलाकारों के लिए)	51,000/-

साहित्य अकादमी

अखिल भारतीय पुरस्कार

पुरस्कार	विषय	राशि
पं. माखनलाल चतुर्वेदी पुरस्कार	निबंध	1 लाख
गजानन माधव मुक्तिबोध पुरस्कार	कहानी	1 लाख
राजा वीर सिंह देव पुरस्कार	उपन्यास	1 लाख
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पुरस्कार	आलोचना	1 लाख
पं. भवानीप्रसाद मिश्र पुरस्कार	गीत एवं हिन्दी ग़ज़ल	1 लाख
अटल बिहारी वाजपेयी पुरस्कार	कविता	1 लाख
कुवेरनाथ राय पुरस्कार ललित	निबंध	1 लाख
विष्णु प्रभाकर पुरस्कार	आत्मकथा-जीवनी	1 लाख
निर्मल वर्मा पुरस्कार	संस्मरण	1 लाख
महादेवी वर्मा पुरस्कार	रेखाचित्र	1 लाख
प्रोफेसर विष्णुकांत शास्त्री पुरस्कार	यात्रा-वृत्तांत	1 लाख
भारतेन्दु हरिश्चंद्र पुरस्कार	अनुवाद	1 लाख
नारद मुनि पुरस्कार	फेसबुक/ब्लॉग/नेट	1 लाख

प्रादेशिक पुरस्कार

वृन्दावन लाल वर्मा	उन्यास	51,000/-
सुभद्राकुमारी चैहान पुरस्कार	कहानी	51,000/-
श्रीकृष्ण सरल पुरस्कार	कविता	51,000/-
आचार्य नंददुलारे वाजपेयी पुरस्कार	आलोचना	51,000/-

हरिकृष्ण प्रेमी पुरस्कार	नाटक	51,000/-
राजेन्द्र अनुरागी पुरस्कार	डायरी	51,000/-
बालकृष्ण शर्मा नवीन पुरस्कार	प्रदेश के लेखक की पहली कृति	51,000/-
ईसुरी पुरस्कार	लोक भाषा विषयक	51,000/-
हरिकृष्ण देवसरे पुरस्कार	बाल साहित्य	51,000/-
नरेश मेहता पुरस्कार	संवाद/पटकथा लेखन	51,000/-
जैनेन्द्र कुमार जैन पुरस्कार	लघुकथा	51,000/-
सेठ गोविन्द दास पुरस्कार	एकांकी	51,000/-
शरद जोशी पुरस्कार	व्यंग्य	51,000/-
वीरेन्द्र मिश्र पुरस्कार	गीत	51,000/-
दुष्यंत कुमार पुरस्कार	ग़ज़ल	51,000/-
मध्यप्रदेश की छह बोलियों के पुरस्कार		
संत पीपा स्मृति पुरस्कार	मालवी	51,000/-
संत सिंगाजी स्मृति पुरस्कार	निमाड़ी	51,000/-
श्री विश्वनाथ सिंह जूदेव स्मृति पुरस्कार	बघेली	51,000/-
श्री छत्रसाल स्मृति पुरस्कार	बुन्देली	51,000/-
टंट्या भील स्मृति पुरस्कार	भीली	51,000/-
रानी दुर्गावती स्मृति पुरस्कार	गोंडी	51,000/-

कालिदास संस्कृत अकादमी

अखिल भारतीय

कालिदास पुरस्कार	संस्कृत में रचित मौलिक सृजनात्मक श्रेष्ठ कृति के लिए/प्रति दो वर्ष में	1 लाख
राष्ट्रीय चित्रकला पुरस्कार (चार)	1 लाख	
राष्ट्रीय मूर्तिकला पुरस्कार (एक)		1 लाख

प्रादेशिक पुरस्कार

भोज पुरस्कार	संस्कृत साहित्य की समीक्षात्मक कृति के लिए	51,000/-
व्यास पुरस्कार	संस्कृत की साहित्यिक कृति अथवा शास्त्रीय ग्रंथ के हिन्दी अनुवाद के लिए	51,000/-
राजशेखर पुरस्कार	पारम्परिक शास्त्रों की शैली में रचित शास्त्रीय ग्रंथ के लिए	51,000/-

सिंधी साहित्य अकादमी

प्रादेशिक पुरस्कार

संत हिरदाराम गौरव पुरस्कार	सिंधी साहित्य की जीवनपर्यन्त सेवा	51,000/-
सिंधी पुरस्कार	गद्य लेखन	10,000/-
सिंधी पुरस्कार	पद्य लेखन	10,000/-

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी

(उर्दू पुस्तकों (कृति) के लिए पुरस्कार)

अखिल भारतीय पुरस्कार

मीर तकी मीर पुरस्कार	उर्दू शायरी	51,000/-
हामिद सईद ख़ाँ पुरस्कार	कहानी एवं लघु कथा	51,000/-
शादाँ इन्दौरी पुरस्कार	निबंध एवं अनुवाद	51,000/-
हकीम कमरुल हसन पुरस्कार	उर्दू पत्रकारिता, शोध एवं आलोचना	51,000/-
जौहर कुरैशी पुरस्कार	हास्य-व्यंग्य	51,000/-
इब्राहिम यूसुफ पुरस्कार	नाटक एवं हास्तान	51,000/-
प्रादेशिक पुरस्कार		
सिराज मीर ख़ाँ पुरस्कार	उर्दू शायरी	31,000/-
बासित भोपाली पुरस्कार	कहानी एवं लघु कथा	31,000/-
मोहम्मद अली ताज पुरस्कार	रखाचित्र एवं रिपोतार्ज	31,000/-
नवाब सिद्दीक़ हसन ख़ाँ	उर्दू पत्रकारिता, उर्दू पत्रिक, शोध व आलोचना	31,000/-
शैरी भोपाली पुरस्कार	बाल साहित्य	31,000/-
कैफ़ भोपाली पुरस्कार	उर्दू शिक्षक	31,000/-
शम्भू दयाल सुखन पुरस्कार	उर्दू भाषी लेखकों/शायरोंकी उर्दू कृति	31,000/-
शिफ़ा ग्वालियरी पुरस्कार	प्रदेश के लेखक/शायरकी पहली कृति	31,000/-
जाँ निसार अख्तर पुरस्कार	रसाई, नात, उर्दू साहित्य/शायकी की एक विधा	31,000/-
पन्नालाल श्रीवास्तव नूर	आत्मकथा एवं संस्करण	31,000/-
सूरज कला सहाय पुरस्कार	यात्रा वृतांत	31,000/-
निदा फाजली पुरस्कार	उर्दू नज्म, दोहा, ऊबाई	31,000/-

भारत भवन

अन्तर्राष्ट्रीय छापा कला द्वैवार्षिकी पुरस्कार

चार ग्रेण्ड प्राईज अवार्ड एवं सम्मान पट्टिका 1,00,000/-

दस मेरिट अवार्ड एवं सम्मान पट्टिका

बिन्दु क्रमांक 2

संस्कृति संचालनालय के अधिकारियों के दायित्व

क्र.	पद का विवरण	दायित्व
1	**संचालक**	संचनालय की संपूर्ण शाखाओं के क्रियाकलापों पर नियंत्रण मार्गदर्शन के साथ शासनकी योजनाओं के प्रचार-प्रसार एवं मीडिया के साथ समन्वय साथ ही बुक आफ। फाइनेंशियल पावर में प्रदत्त शक्तियों के अनुसार वित्तीय प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करना.
स्थापनाशाखा		
3	**उप-संचालक**	**स्थापना शाखा के कार्यः-** नियुक्ति,पदस्थापना,स्थानांतरण,सेवा अभिलेखों का संधारण,पेंशन,अवकाश,प्रशिक्षण,सेवा भर्ती नियम संचालनालय और अधीनस्थ कार्यालय का निरीक्षण और निर्वाचन लोकसभा एवं विधानसभा मामलों के कार्य। पेंशन सेवा अभिलेखों का संधारण संचालन में रखेजाने वाले को प्रतिवेदनओं की कस्टडी अधिकारी के रूप में कार्य। प्रशिक्षण,सेवा भर्ती नियमों का अध्ययन रखना,विभागीय जांच,अनुशासनात्मक प्रकरण, न्यायालयीन प्रकरण, समसत अवकाश,वेतनवृद्धि,प्रशासनिक प्रतिवेदन। कार्यालयों का निरीक्षण जैसे विषयों को प्राप्त निर्देश के अनुसार पालन कराने का शाखा प्रभारी के

		रूप में दायित्व। अ राजपत्रित कर्मचारियों की स्थापना संबंधित राज्य शासन को भेजे जाने वाले और अन्य समय पर आने का दायित्व एवं ऑडिट संबंधी कार्यों का संपादन और विभाजन में अन्य विषय।
4	**सहायक संचालक**	उप-संचालक को स्थापना शाखा के उपरोक्त समस्त कार्यों में सहयोग प्रदान करना। सभी कार्यों को समय सीमा में व्यवस्थित रूप से पूरा करने का दायित्व संचालनालय के कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक नियंत्रण का कार्य लंबित प्रकरणों का निराकरण पर निगाह रखना। विभागीय जांच,पदोन्नति,समयमान वेतनमान,भर्ती नियमों में संशोधन,शिकायतें, पेंशन, अन्यआवश्यक निर्देशित कार्य।

क्र.	**पद का विवरण**	दायित्व
लेखाशाखा		
	उपसंचालक/कार्यालय प्रमुख एवं डी.डी.ओ.	लेखा संबंधी स्वीकृतियां, नियंत्रण एवं शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करना अधीनस्थ कार्यालयको मार्गदर्शन एवं स्वीकृति जारी करना।लेखा संबंधी प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करना। शासन के पत्र व्यवहार संबंधी नीतियां एवं अधीन स्थकार्यालय से पत्र व्यवहार। लेखा शाखा एवं अन्य कार्यालय के मध्य पत्र व्यवहार। संचालनालय की समस्त शाखाओं के देयकों का नियमानुसार आहरण सुनिश्चित करना तथा वितरण करना। लेखा संबंधी नस्तियों का परीक्षण कर प्रस्तुत करना,लेखा शाखा के समस्त दैनिक कार्यों पर नियंत्रण। लेखा प्रभाग की नस्तियों का प्रस्तुतिकरण एवं अन्य आवश्यक कार्य।
बजटशाखा		
	लेखाअधिकारी (कोष एवं लेखा)	बजट की समीक्षा एवं आगामी वर्ष के बजट की तैयारी अधीनस्थ कार्यालयों को आवंटन बजट पर नियंत्रण संचालनालय एवं अधीनस्थ कार्यालयों की नस्तियों का परीक्षण एवं प्रस्तुत करना। अधीनस्थ कार्यालयों तथा शासन से पत्रव्यवहार शासन के वित्त संबंधी दैनिक कार्यों पर नियंत्रण। समस्त योजनाओं का संचालन संबंधी कार्य.
भंडार शाखा		
	उप-संचालक	संचालनालय की भंडार शाखा में खरीदी के लिए क्रय समिति का गठन करना। संचालनालय और अन्य कार्यालयोंकेलिए भंडार संबंधी वित्तीय स्वीकृति प्रदान करना। वार्षिक संधारण अनुबंधों की स्वीकृति देना।शाखा के कार्य का पर्यवेक्षण,मुख्य भवन का संधारण एवं रखरखाव,विशेष अवसरों और स्वतंत्रता दिवस स्थापना दिवस एवं गणतंत्र दिवस पर भवन पर रोशनी की व्यवस्था करना। समिति का गठन एवं वार्षिक अनुबंध की आवश्यकता स्वीकृति प्राप्त करना। क्रय समिति द्वारा निर्धारित दरों का पालन। शाखा के कर्मचारियों का भंडार संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करना। शाखा के कर्मचारियों के कार्य का प्रशासनिक नियंत्रण। शाखाओं के मांग पत्रों का निराकरण। कार्यालय के वाहनों की व्यवस्था एवं रखरखाव पी.एल.ओ. की आवश्यकता आदि। संचालक के निर्देशानुसार का पालन सुनिश्चित करना। वाहन चालकों पर नियंत्रण संबंधी व्यवस्थाओं का के

		प्रस्ताव बनाना। आडिट आपत्तियों का निराकरण का समन्वय।
अनुदान शाखा		
	उप-संचालक	अशासकीय संस्थाओं को अनुदान, अर्था भावग्रस्त साहित्यकारों एवं कलाकारों को मासिक सहायक, गंभीर बिमारी के लिए कलाकार कल्याण कोष साहित्यकारों एवं कलाकारों को एक मुश्त सहायक प्रदान करने संबंधी कार्य।
सम्मान/समारोहशाखा		
	उपसंचालक	जूरी, सम्मान, समारोह, प्रकाशन, प्रेस नोट, उपलब्धियों की जानकारी से सम्बन्धित कार्य। समारोहों के प्रचार-प्रसार में दक्षतापूर्वक कार्य एंव जनसहभागिता को व्यापक करने का उपक्रम। शाखा द्वारा सम्पादित/सम्पन्न कार्यक्रमों/समारोहों में कलाकारों की भागीदारी का समन्वय एवं तत्सम्बन्धी कार्यों का निष्पादन। सोशल मीडिया पर विभागीय गतिविधियों का प्रचार-प्रसार कार्य।विभागीय कला पंचांग का प्रकाशन एवं वेबसाइट का संधारण आदि कार्य।
	सहायकसंचालक	उप-संचालक को सम्मान/समारोहशाखाकेउपरोक्त समस्त कार्यों में सहयोग प्रदान करना। सभी कार्यों को समय सीमा में व्यवस्थित रूप से पूरा करने का दायित्व। वित्तीय वर्ष में आयोजित होने वाली समस्त गतिविधियों का समन्वय एवं कला पंचांग के प्रकाशन का दायित्व। संचालनालय द्वारा प्रदत्त सम्मानों के लिए विज्ञापन का प्रकाशन एवं बैठकों का आयोजन, वेबसाइट का संधारण आदि कार्य।

संचालनालय के अ राजपत्रित कर्मचारियों के दायित्व

क्र.	पद का विवरण	दायित्व
1	अधीक्षक	स्थापना शाखा से संबंधित नसितयां, वरिष्ठ अधिकारी को अभिमत के साथ भेजना।कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी एवं उनके कार्यों पर नियंत्रण स्थापना एवं लेखा से संबंधित प्राप्त पत्रों एवं देयकों को मार्क करना। भुगतानों की शुद्धता के लिए व्यक्तिगत संबंधी दावों के संबंधित संजू से मिलान की जिम्मेदारी।
2	उपप्रबंधक	सम्मान/समारोह से संबंधित कार्य एवं वरिष्ठ अधिकारियों निर्देशित आवश्यक कार्य ।
3	अनुवादक	वरिष्ठ अधिकारियों निर्देशित आवश्यक कार्य ।
4	शीघ्रलेखक	संचालक एवं उप-संचालक द्वारा दिये गये आलेख तैयार करना एवं निर्देशानुसार कार्य।
5	लेखापाल	संचालनालय के अधिकारी एवं कर्मचारी के मासिक एवं देयको को तैयार करना तथा उस का परीक्षण करना और उन्हें निर्धारित अवधिमें कोषालय में लगवाना। समस्त देयको को पंजीयन रजिस्टर में आवश्यक प्रविष्टि करना एवं उन्हें सुरक्षित रखवाना। ऑडिट के समय देयको और पंजीयों का ऑडिट कराने के लिए ऑडिट दल को प्रस्तुत करना।
6	कैशियर	कैश का रखरखाव नियमानुसार करना। नियमित रूप से कैश बुक भरना,आहरण एवं संवितरण अधिकारी के हस्ताक्षर करवाना,समय पर देयकों का भुगतान करना,केश बुक में मासिक वार्षिक सत्यापन कराकर प्रमाणपत्र अंकित करना। नैमित्तिक व्यय एवं बिल रजिस्टर में दावों के कारण संबंधी आवश्यक प्रविष्टि करना। कोषालय से प्राप्त धन का रखरखाव करना,अभिलेखों को सुरक्षित रखवाना। ट्रेजरी वाउचर प्राप्त कर देयको के साथ लगाना एवं समस्त अभिलेख सुरक्षित रखना। ऑडिट के समय देयकों एवं अभिलेखों का ऑडिट कराने के लिए ऑडिट दल को प्रस्तुत करना।
7	सहायकग्रेड-२(लेखा शाखा)	अधिकारी एवं कर्मचारी के सामान्य भविष्य निधि के हिसाब का रखरखाव,कटोत्रा की प्रविष्टि करना,ब्याज की गणना कर लेखा पर्ची जारी करना, संबंधित नीतियां एवं पासबुक संधारण एवं अवश्य प्रविष्टि करना तथा उसका आहरण एवं संवितरण अधिकारी से प्रमाणी करण करवाना ऑडिट के समय देयको और पंजीयों का ऑडिट कराने के लिए ऑडिट दल को प्रस्तुत करना। अस्थाई अग्रिम एवं पार्ट फाइनल भुगतान संबंधी आवेदनों का परीक्षण कर स्वीकृति की नस्ती तैयार करना तथा उनके भुगतान के लिए आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करवाना।गुमशुदा कटोत्रा की जानकारी महा लेखाकार ग्वालियर को भेजना,ऋण आत्मक खातों को सही करना। सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारियों को भविष्यनिधि,समूह बीमा योजना, परिवार कल्याणनिधि योजनाके अंतर्गत भुगतान की कार्रवाई करना एवं करवाना। पासबुक एवं नस्तियों का विधिवत रखरखाव एवं प्रविष्टि करवाना। अधिकारी एवं कर्मचारियों के यात्रा एवं चिकित्सा देयक तैयार करवाना बजट पर नियंत्रण करना समस्त नस्तियों एवं अभिलेखों का सुरक्षित रखरखाव करना।ऑडिट दल से ऑडिट करवाना एवं शाखा से संबंधित पत्र व्यवहार। निर्देशानुसार सौंपे गये आवश्यक कार्य।
8	सहायक ग्रेड-२(स्थाप	नियुक्ति,पदस्थापना,स्थानांतरण,पेंशन,अवकाश,सेवाभर्तीनियम,संचालनालय और अधीनस्थ कार्यालय का निरीक्षण,औरनिर्वाचन,लोकसभा,राज्यसभा,विधान सभा मामलों के कार्य,पेंशन,सेवा भर्ती नियम,विभागीय जांच,अनुशासनात्मक मामले,न्यायालयप्रकरण,अवकाश,वेतनवृद्धि,प्रशासनिक

	नाशाखा)	प्रतिवेदन, समस्त पदक्रम सूची, अधीनस्थ कार्यालयों अधीनस्थ कार्यालयों का निरीक्षण जैसे विषयों को निर्देश के अनुसार पालन करना एवं करवाना, टंकण कार्य
9	**सहायक ग्रेड-३ (स्थापना शाखा)**	वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों को स्थापना संबंधी कार्य में सहयोग प्रदान करना,समस्त अवकाश,सेवा अभिलेखों का संधारण,पेंशन,संचालनालय और अधीनस्थ कार्यालय का निरीक्षण,वेतन वृद्धि, प्रशासनिक प्रतिवेदन, समस्त पदक्रम सूची, समय-समय पर प्राप्त निर्देशों का पालन करना, टंकण कार्य
10	**सहायक ग्रेड-३ (लेखा/वेतनशाखा)**	कैशियर को उनके कार्य में सहयोग करना। स्थाई अग्रिम की वसूली संबंधी पंजीयों का रखरखाव एवं पत्र व्यवहार। ऑडिट कार्य में सहयोग करना। अधिकारियों/ कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि/विभागीय निधि विभागीय भविष्य निधि के मासिक कटौतियों पंजीयों पासबुक में प्रविष्टि करना। कर्मचारियों एवं अधिकारियों की कटौती का सत्यापन करना। भविष्य निधि लेखापर्ची जारी करना, भुगतान की कार्यवाही करना लेखा पर्ची को पासबुक से मिलान कर विवरण तैयार करना। यदि लेखा पर्ची पासबुक में अंतर है तो उसका परीक्षण कर खाता सही करवाना।अभिलेखों का रखरखाव एवं संधारण अधिकारी कर्मचारियों के मासिक वेतन देयक एरियर्स देयक तैयार करना। लेखा शाखा से संबंधित पत्र व्यवहार प्रस्तुत करना। सभी प्रकार के अग्रिमों एवं वसूलियों की प्रविष्टि संबंधित पंजियों में करना। वसूली पत्र तैयार करना। शाखा का ऑडिट करवाना। पत्र व्यवहार एवं टंकण अंकन कार्य। आकस्मिकता निधि देयक तैयार करना। बजट पर नियंत्रण करना। देयकों का परीक्षण कर भुगतान/समायोजन की कार्रवाई करना। नैमित्ति कव्यय संबंधित देयकों की प्रविष्टि करना तथा उनके आहरण भुगतान की तिथि सहित प्रविष्टि करना, आहरण अधिकारी के हस्ताक्षर कराना। ऑडिट दल को अभिलेख उपलब्ध कराकर ऑडिट करवाना शाखा से संबंधित पत्र व्यवहार अस्थाई अग्रिमओं का समायोजन की कार्यवाही करना अधिकारी व कर्मचारी के चिकित्सा सेवकों का परीक्षण कर भुगतान की कार्यवाही करना, पंजियों में प्रविष्टि करना,चिकित्सा अग्रिम के प्रस्ताव तैयार करना एवं भुगतान की कार्यवाही एवं वसूली की कार्रवाई करना, सभी प्रकार के अभिलेखों का रखरखाव एवं शाखा से संबंधित पत्र व्यवहार और डिजिटल को अभिलेख उपलब्ध करवाना।
11	**सहायक ग्रेड-३ (भंडारशाखा)**	भंडार अधिकारी के निर्देशानुसार भंडार शाखा से संबंधित नस्तियों का संचालन करना।
12	**सहायक ग्रेड-३ (बजटशाखा)**	वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारियों को बजट संबंधी कार्य में सहयोग प्रदान करना,बजट की समीक्षा एवं आगामी वर्ष के बजट की तैयारी, अधीनस्थ कार्यालयों को आवंटन बजट पर नियंत्रण संचालनालय एवं अधीनस्थ कार्यालयों की नस्तियों का परीक्षण एवं प्रस्तुत करना। अधीनस्थ कार्यालयों तथा शासन से पत्र व्यवहार करना. कोषालय एवं वित्त विभाग द्वारा लागू IFMIS प्रणाली का संचालन कार्य।
13	**सहायक ग्रेड-३ (विविध कार्य)**	समस्त शाखाओं से संबंधित विविध पत्रों पर कार्यवाही.

14	**स्टेनो टायपिस्ट**	लिपिकीय एवं समय-समय पर निर्देशिक कार्य संपादित करना.
15	**वाहन चालक**	शासकीय वाहन के चालन हेतु.
16	**दफतरी**	आवक जावक शाखा से संबंधी अभिलेखों को संधारण करना एवं निर्देशानुसार सौंपे गये कार्य।
17	**भृत्य**	अधिकारियों एवंलिपिकीय एवं कार्यालयीन सहायकों के सहयोग एवं अन्य शासकीय कार्यों में सहयोग के लिए भृत्य की आवश्कता होगी.

बिन्दु क्रमांक 3 - निर्णय लेने की प्रक्रिया, पर्यवेक्षण और दायित्व

1. **स्थापना शाखा -**

   स्थापना शाखा का मुख्य कार्य संचालनालय के विभिन्न प्रभागों एवं अधीनस्थ कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों से विभागीय कार्यों का निष्पादन शासन के दिशा निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित कराना व नियंत्रण रखना है। शासन निर्देशों एवं अन्य विषयों से संबंधित प्रकरणों को नस्तीपर लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारियों द्वारा सहायक संचालक को प्रस्तुत किया जाता है । उपसंचालक, स्थापना की अनुपस्थिति में नस्ती सीधे कार्यालय प्रमुख अथवा जैसी भी स्थिति हो प्रस्तुत की जाती है। सहायक संचालक द्वारा इन नस्तियों पर प्रस्तुत प्रकरण का परीक्षण कर अपनी टीप के साथ उपसंचालक(स्था.) को प्रस्तुत किया जाता है। उपसंचालक(स्था.) द्वारा इनका पर्यवेक्षण कर निर्णय लिया जाता है, जिन मामलों में विभागाध्यक्ष स्तर पर निर्णय लिया जाना होता है, संचालनालय एवं शासन स्तर पर निर्णय लिया जाता है ।

2. **लेखा शाखा -**

   लेखा शाखा में निर्णय मध्यप्रदेश वित्तीय संहिता के प्रावधानों के अनुरूप किया जाता है। संचालनालय स्तर पर उपसंचालक(डी.डी.ओ.) और अधीनस्थ कार्यालयों में पदस्थ कार्यालय प्रमुख लेखा संबंधी कार्यों का निष्पादन करते है। सक्षम स्वीकृति प्राप्त प्राप्त होने के पश्चात देयकों का आहरण बजट की उपलब्धता के आधार पर कर भुगतान की कार्यवाही आहरण संवितरण अधिकारी द्वारा की जाती है।

3. **बजट शाखा -**

   बजट शाखा में संचालनालय के लिए राज्य शासन द्वारा सौंपे गये आवंटन का मदवार ब्यौरा रखा जाता है. बजट शाखा द्वारा संचालनालय एवं अधीनस्थ कार्यालयों को बजट की उपलब्धता को दृष्टिगत रखते हुए उनकी आवश्कता के अनुरूप बजट आवंटित किया जाता है. संचालनालय स्तर पर लेखाधिकारी के माध्यम से उपसंचालक एवं कार्यालय प्रमुख द्वारा बजट आवंटित किया जाता है.

4. **भंडार/वाहन -**

   भंडार शाखा भंडार क्रय नियमों के अनुरूप संचालनालय की आवश्यकतानुसार उपकरणों व सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है. शासकीय कार्य सम्पादन के लिए विभिन्न शाखाओं की मांग के अनुसार आवश्यकतानुसार सामाग्री का क्रय भंडार क्रय नियम के अनुसार सक्षम स्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात किया जाता है. विभिन्न शाखाओं से प्राप्त मांग के आधार पर क्रय की गई सामग्री की पूर्ति पश्चात शेष भंडार सामाग्री का सत्यापन समय-समय पर शाखा प्रभारी अधिकारी द्वारा किया जाता है. वाहन शाखा में वाहन में ईधन एवं मरम्मत कार्य की प्रसतुति का कार्य लिपिकीय वर्ग द्वारा होता है. आवश्यकतानुसार ईधन एवं मरम्मत कार्य की स्वीकृति शाखा प्रभारी के द्वारा प्रक्रिया के पर्यवेक्षण/स्वीकृति संचालक/आयुक्त स्तर पर प्रदान की जाती है.

5. **अनुदान -**

   राज्य शासन द्वारा अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों एवं कलाकारों को मासिक आर्थिक सहायक, गंभीर बिमारी से पीडित साहित्यकारों एवं कलाकारों को एक मुश्त सहायक प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा कलाकार कल्याण कोष नियम तैयार किये गये है. इन नियमों के अन्तर्गत समिति का गठन किया जाता है. जरूरतमंद साहित्यकारों एवं कलाकारों को आर्थिक सहायकता संबंधी आवेदन इस समिति के समक्ष रखे जाते हैं तथा समिति की अनुशंसानुसार मासिक एवं एक मुश्त सहायकता प्रदान की जाती हैं. गंभीर बिमारी के प्रकरणों में तत्काल सहायक आवश्क होने पर संचालक/आयुक्त, संस्क्रति द्वारा तदर्थ सहायता स्वीकृत की जाती है जिसमें बाद में समिति का अनुमोदन प्राप्त किया जाता है.

संचालनालय की अनुदान शाखा द्वारा प्रदेश के अशासकीय संस्थाओं को साहित्य/संगीत एवं कला के क्षेत्र में किये गये योगदान के लिए प्रतिवर्ष एक मुश्त वित्तीय सहायकता प्रदान की जाती है.

संचालनालय की अनुदान शाखा में प्राप्त आवेदनों का नियमों के संदर्भ में प्रारंभिक परीक्षण का कार्य कार्यालय के लिपिक वर्गीय कर्मचारियों द्वारा किया जाता है. आवश्यक होने पर अधिकारियों द्वारा उनको समिति की बैठक की अनुशंसा के लिए रखा जाता है. स्वीकृत राशि के आहरण की कार्यवाही संचालनालय की लेखा शाखा द्वारा की जाती है.

साहित्यकारों एवं कलाकारों को आर्थिक सहायता के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों को समिति की बैठक में प्रसतुत किया जाता है. समिति की अनुशंसाओं/सिफारिशों के अनुसार कार्यवाही विवरण तैयार किया जाता है.

6. सम्मान/समारोह -

सम्मान/समारोह शाखा का मुख्य कार्य निर्धारित सम्मानों के लिए जूरी बैठकें एवं अलंकरण समारोह तथा कलापंचांग अनुसार समारोहों का आयोजन करना है। समय-समय पर निर्देशानुसार भी सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन शाखा द्वारा किया जाता है। इस आशय से प्राप्त प्रकरणों को लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारियों द्वारा सहायक संचालक को प्रस्तुत किया जाता है। सहायक संचालक की अनुपस्थिति में नस्ती सीधे उप संचालक अथवा जैसी भी स्थिति हो प्रस्तुत की जाती है। सहायक संचालक द्वारा इन नस्तियों पर प्रस्तुत प्रकरण का परीक्षण कर अपनी टीप के साथ उपसंचालक(सम्मान/समारोह) को प्रस्तुत किया जाता है। उपसंचालक द्वारा इनका पर्यवेक्षण कर निर्णय लिया जाता है, जिन मामलों में विभागाध्यक्ष स्तर पर निर्णय लिया जाना होता है, उन्हेंविभागाध्यक्ष को भेजा जाता है। जिन प्रकरणों पर शासन अथवा प्रशासकीय स्तर पर निर्णय लिया जाना होता है, ऐसे प्रकरणों को उच्च स्तर पर भेजा जाता है ।

बिन्दु क्रमांक 4 - कर्त्तव्य निष्पादन के प्रतिमान

विभाग के विभिन्न प्रभागों और अधीनस्थ कार्यालय के निर्णय के प्रतिमानों के अनुरूप कार्य संचालन किया जाता है. प्रतिमानों में विभागीय नियमों-निर्देशों के अलावा विभागों की सुस्थापित परम्पराएं भी शामिल हैं. इनका पालन विभाग के कार्य की प्रकृति के अनुरूप किया जाता हैं.

स्थापना शाखा -

नियुक्ति,पदस्थापना,स्थानांतरण,सेवाअभिलेखोंकासंधारण,पेंशन,अवकाश,प्रशिक्षण,सेवाभर्तीनियमका अद्तन करना, संचालनालयऔरअधीनस्थकार्यालयकानिरीक्षणऔरनिर्वाचन लोकसभा एवं विधानसभामामलोंकेकार्य मुख्य समन्वय के रूप में करना शामिल है।इन कार्यों का सपांदन प्रावधान के अनुरूप संचालनालय स्तर पर और जिन मामलों में अपेक्षित स्वीकृति शासन स्तर से प्राप्त करना होती है, उन पर शासन स्वीकृति प्राप्त कर तदनुसार कार्रवाई की जाती है.

लेखा शाखा -

लेखा शाखा में मध्यप्रदेश विततीय संहिता में उल्लेखित व्यवस्था के अनुसार प्रदत्त वित्तीय अधिकारों के अनुरूप कारर्वाई की जाती है. देयकों की स्वीकृति, आहरण एवं भुगतान की प्रक्रिया तदनुसार सुनिश्चित की जाती है.

बजट शाखा -

बजट शाखा में बजटकीसमीक्षाएवंआगामीवर्षकेबजटकीतैयारी की जाती है.बजट शाखा द्वारा संचालनालय एवं अधीनस्थ कार्यालयों को बजट की उपलब्धता को दृष्टिगत उनकी आवश्कता के अनुरूप बजट आवंटित किया जाता है. संचालनालय एवंअधीनस्थकार्यालयोंकीनस्तियों कापरीक्षण एवंप्रस्तुतकरना।अधीनस्थकार्यालयोंद्वारा बजट की मांग के अनुसार शासनसेपत्रव्यवहारकरना. शासनकेवित्त संबंधी दैनिककार्योंपरनियंत्रण। संचालनालय के लिए राज्य शासन द्वारा सौंपे गये आवंटन का मदवार ब्यौरा रखा जाता है. समस्त योजनाओं का संचालन संबंधी कार्य.

भंडार/वाहन शाखा -

भंडार शाखा द्वारा क्रय की गई सामग्री भंडार क्रय नियमों में निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप वित्तीय स्वीकृति प्राप्त कर की जाती है. वाहन शाखा में ईधन एवं मरम्मत कार्य पर व्यय शासन के द्वारा निर्धारित सीमाओं में ही किया जाता है. इसके अतिरिक्त वित्तीय संहिता में प्रदत्त अधिकारों के तहत स्वीकृति संचालनालय और शासन स्तर पर प्राप्त होती है.

अनुदान शाखा -

संचालनालय द्वारा प्रशासकीय विभाग के माध्यम से तैयार किये गये नियमानुसार राज्य के अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों एवं कलाकारों को मासिक आर्थिक सहायक, गंभीर बिमारी से पीडित साहित्यकारों एवं कलाकारों को एक मुश्त सहायक प्रदान की है. इन नियमों के अन्तर्गत समिति का गठन किया जाता है. साहित्यकारों एवं कलाकारों को आर्थिक सहायता के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों को समिति की बैठक में प्रस्तुत किया जाता है। समिति की अनुशंसाओं/सिफारिशों के अनुसार कार्यवाही विवरण तैयार किया जाता है।

सम्मान/समारोह -

जूरी, सम्मान, समारोह, प्रकाशन, प्रेस नोट, उपलब्धियों की जानकारी,समारोहों के प्रचारप्रसार में दक्षतापूर्वक - कार्यएवं जनसहभागिता को व्यापक करने का उपक्रम। शाखा द्वारा सम्पादितसमारोहों में / कार्यक्रमोंन्नसम्प/ विभागीय दन। सोशल मीडिया पर कार्यों का निष्पान्धीम्बय एवं तत्सकलाकारों की भागीदारी का समन्व प्रसार कार्य।-गतिविधियों का प्रचारविभागीय कला पंचांग का प्रकाशन एवं वेबसाइट का संधारण आदि कार्य।इन कार्यों का सपांदन प्रावधान के अनुरूप संचालनालय स्तर पर और जिन मामलों में अपेक्षित स्वीकृति शासन स्तर से प्राप्त करना होती है, उन पर शासन स्वीकृति प्राप्त कर तदनुसार कार्रवाई की जाती है।

बिन्दु क्रमांक 5 - धारित अधिनियमों, नियमों, दिशा, निर्देश जिनका उपयोग कार्यालयीन कार्य के निष्पादनमें किया जाता है

संचालनालय द्वारा मध्यप्रदेश राजभाषा अधिनियम, 1957 (क्रमांक 5 सन् 1958),राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 (क्रमांक 4 सन् 2009),सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय अधिनियम, 2012 (क्रमांक 1 सन् 2013)

मध्यप्रदेश राजभाषा एवं संस्कृति संचालनालय भर्ती (चतुर्थ श्रेणी) नियम, 1997,मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग अधीनस्थ (राजभाषा एवं संस्कृति संचालनालय) राजपत्रित सेवा भर्तीनियम 1998,मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग अधीनस्थ (राजभाषा एवं संस्कृति संचालनालय) तृतीय श्रेणी (लिपिकीयतथा अलिपिकीय) सेवा तथा भर्ती नियम, 1999,मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद् सेवा तथा भर्ती नियम, 2005शामिल हैं, जिनका उपयोग कार्य निष्पादन में किया जाता है।

राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सम्मानों के नियम तथा प्रक्रिया

(1) मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा देय सभी सम्मानों के लिए उच्च कोटि की सृजनात्मकता, असाधारण उपलब्धि और अनवरण दीर्घ साधना के असंदिग्ध और निरपवाद मानदण्ड रखे गए हैं।

(2) चयन के समय कलाकार/साहित्यकार का सृजन सक्रिय होना अनिवार्य है।

(3) सभी सम्मान कलाकार/साहित्यकार के समग्र रचनात्मक अवदान के लिए हैं, उसकी किसी एक कृति या प्रस्तुति के लिए नहीं हैं।

(4) सभी सम्मान सिर्फ सृजनात्मक उपलब्धि के लिए देय हैं, शोध, पाण्डित्य अथवा अकादेमिक कार्यों के लिए नहीं है।

(5) प्रत्येक सम्मान की अलग-अलग चयन-समिति का गठन शासन द्वारा किया जाता है।

(6) "महात्मा गांधी सम्मान की चयन समिति में 7 सदस्य, शेष राष्ट्रीय सम्मानों एवं शिखर सम्मानों की चयन समिति में 5 सदस्य मनोनीत किये जाने का प्रावधान है। इन सम्मानों में से महात्मागांधी सम्मान की चयन समिति में 4 तथा शेष राष्ट्रीय एवं राज्य शिखरसम्मानों की चयनसमिति में 3 सदस्यों की उपस्थिति होने पर बैठक आयोजित की जा सकेगी।"

(7) चयन-समिति के मनोनीत सदस्य सम्बन्धित कला एवं साहित्य के (सम्मानों के अनुरुप) राष्ट्रीय अथवा राज्य स्तरीय श्रेष्ठ कलाकार, साहित्यकार अथवा विशेषज्ञ ही होते हैं।

(8) चयन समिति का निर्णय सर्वसम्मति से होता है।

(9) चयन समिति की सर्वसम्मत अनुशंसा राज्य शासन के लिए बंधनकारी होती है।

(10) राज्य शासन का निर्णय अंतिम होता है।

(11) राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त कलाकार/साहित्यकार को दोबारा संस्कृति विभाग का कोई समकक्ष राष्ट्रीय सम्मान नहीं दिया जाता।

(12) राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त कलाकार/साहित्यकार को दोबारा संस्कृति विभाग का कोई राज्य स्तरीय सम्मान नहीं दिया जाता है। किन्तु उसे राष्ट्रीय सम्मान प्रस्तावित किया जा सकता है।

(13) विभिन्न सम्मानों के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय सम्मानों के अनुरूप लेखकों, कलाकारों, विशेषज्ञों, रसिकों, संस्थाओं आदि से नामांकन आमंत्रित किए जाते हैं। यह भी अपेक्षा की जाती है

कि नामांकनकर्ता, कलाकार/साहित्यकार के प्रकाशनों का ब्यौरा, चित्र कैटलॉग आदि भी नामांकन के साथ संलग्न करेंगे।

(14) प्राप्त नामांकनों को चयन-समिति के समक्ष रखा जाता है।

(15) चयन-समिति प्राप्त नामांकनों की समीक्षा करती है। चयन समिति को यह स्वतंत्रता होती है कि कोई नाम छूट गए हों तो वह उन्हें स्वविवेक से विचारार्थ शामिल कर लें।

(16) चयन समिति द्वारा सम्मान की अनुशंसा के पश्चात् अनुशंसित कलाकार/साहित्यकार से सम्मान ग्रहण करने की स्वीकृति प्राप्त की जाती है।

(17) कलाकार/साहित्यकार की स्वीकृति प्राप्त होने पर ही उसका नाम अनुमोदन के लिए शासन को भेजा जाता है।

(18) शासन की स्वीकृति प्राप्त होने पर ही सम्मान घोशित किया जाता है।

(19) घोषणा के पूर्व की सारी कार्यवाही पूर्णतः गोपनीय होती है।

(20) यदि चयन-समिति सम्मान के लिए किसी कलाकार/साहित्यकार को उपयुक्त नहीं पाती है तो उस वर्ष वह सम्मान किसी को नहीं दिया जा सकेगा।

(21) सम्मान घोषित हो जाने के बाद यदि कलाकार/साहित्यकार उसे लेना अस्वीकार कर देता है तो उस वर्ष के लिए फिर किसी को यह सम्मान नहीं दिया जा सकेगा।

(22) राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय कोई भी सम्मान संयुक्त रूप से नहीं दिया जायेगा।

(23) विषम परिस्थितियों में यदि चयन-समिति सर्वसम्मत निर्णय लेने में असमर्थ रहती है और एक से अधिक कलाकार/साहित्यकार के नाम की अनुशंसा करती है, ऐसी स्थिति में शासन को उक्त चयन-समिति का निर्णय अमान्य करने का अधिकार होगा और चयन प्रक्रिया पुनः आरम्भ की जा सकेगी।

बिन्दु क्रमांक 6 - अभिलेखों की जानकारी/वर्गीकरण

स्थापना शाखा :-

स्थापना शाखा में अधिकारियों-कर्मचारियों के सेवा संबंधी अभिलेखों का संधारण संचालनालय स्तर पर और अधीनस्थ कार्यालयों के अभिलेखों का संधारण संबंधित कार्यालय स्तर पर किया जाता है। संचालनालय एवं अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा विभागीय एवं शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य किया जा रहा है या नहीं इस पर नियंत्रण रखने हेतु विभाग के वरिष्ठ अधिकरयों द्वारा अधीनस्थ कार्यालयों का कम से कम वर्ष में एक बार निरीक्षण किया जाता है। शासन के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए विभागीय अंकेक्षण के माध्यम से नियंत्रण किया जाता है।

लेखा शाखा :-

लेखा शाखा में संचालनालय की विभिन्न शाखाओं से आहरण के लिए प्राप्त देयकों की नस्तियां देयक तैयार किये जाते हैं। तत्पश्चात संबंधित शाखाओं को वापस भेजते हुये तैयार देयकों के भुगतान की कार्यवाही संबंधित व्यक्ति के बैंक खाते में सीधे अथवा चेक के माध्यम से की जाती है। भुगतान से संबंधित अभिलेख केश शाखा में सुरक्षित रखे जाते हैं।

बजट शाखा :-

बजट शाखा द्वारा शासन से प्राप्त बजट का आवश्यकतानुसार विवरण एवं नियंत्रण किया जाता है और लिपिकीय अमले द्वारा उपलब्ध बजट का नियंत्रण ओर पर्यवेक्षण शासन के दिशा निर्देशों के अनुसार सुनिश्चित किया जाता है। इस कार्य का कम्प्यूटरीकरण किया गया है जिसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

भण्डार शाखा :-

भण्डार शाखा द्वारा संचालनालय की विभिन्न शाखाओं से प्राप्त मांगपत्र के अनुसार सामग्री निर्धारित प्रक्रिया के तरह न्यूनतम दर पर क्रय कर सामग्री वितरित की जाती है। जिससे संबंधित चल अचल सामग्री की पंजियाँ तथा उनसे संबंधित नस्तियाँ भण्डार शाखा द्वारा संधारित की जाती हैं।

मॉनिट शाखा :-

मॉनिट शाखा द्वारा संचालनालय समस्त शाखाओं से समन्वय कर घोषणा-पत्र संकल्प,मुख्यमंत्रीघोषणाऐं, सी.एम.मॉनिट प्रकरण, सी.एम.हेल्पलाइन, वचन पत्र, सी.एम बैठकें आदि जानकारियां तैयार कर प्रशासकीय विभाग को प्रेषित की जाती है।

सम्मान/समारोह शाखा :-

सम्मान/समारोह शाखा द्वारा किये जाने वाले कार्यो का विवरण निम्नानुसार हैं :-

1. कला पंचाग का प्रकाशन- संचालनालय द्वारा वित्तीय वर्ष में आयोजित होने वाली समस्त गतिविधियों कीजानकारी देने के लिए एक आकर्षक कैलेण्डर कला-पंचांग का प्रकाशन किया जाता है, जिसमें प्रदेशमें कब-कब, कहाँ-कहाँ एवं कौन-कौन से कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं का वर्णन होता है। यहकैलेण्डर बहुरंगी, नयनाभिराम एवं राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सचित्र दर्शाता है।

2. समारोहों का आयोजन :-शाखा द्वारा कला पंचांग उल्लेखित अनुसार एवं उच्च स्तरीय निर्णयानुसार वित्तीय वर्ष में प्रदेश के विभिन्न स्थानों में महत्वपूर्ण उत्सव एवं समारोह आयोजित किये जातेहैं-

3. सम्मान - साहित्य, संस्कृति, सिनेमा, सामाजिक समरसता, सद्भाव आदि बहुआयामी क्षेत्रोंमें उत्कृष्टता, सृजनात्मकता और बहुउल्लेखनीय योगदान के लिए विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मानसंस्कृति

संचालनालय के अंतर्गत स्थापित किये गये हैं। शाखा द्वारा विज्ञापन जारी कर देश के महत्वपूर्ण कलावन्तों, विशेषज्ञों, संस्थाओं और समाचार-पत्रों के माध्यम से सम्मान के लिए साहित्यकारों के नामांकन आमंत्रित करता है। उक्त नामांकन संकलित कर चयन समिति के सामने अन्तिम निर्णय के लिए रखे जाते हैं। चयन समिति में राष्ट्रीय ख्याति के कलाकार, विशेषज्ञ एवं आलोचक शामिल होते हैं। राज्य शासन ने चयन समिति की अनुशंसा को अपने लिए बंधनकारी माना है।

4. वेबसाइटका संधारण - समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप विभाग के समग्र आकार को देखने, जाननेतथा उससे जुड़ने की दृष्टि से संस्कृति संचालनालय की एक वेबसाइट बनायी गयी है, जिसको और अधिककलात्मक, सुसज्जित एवं समृद्ध किया गया है। इस वेबसाइट **www.culturemp.in** के माध्यम सेप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, सक्रियता एवं उपक्रमों को दुनिया भर में देखा और जाना जा सकता है। शाखा द्वारा वेबसाइट संधारण का कार्य कराया जाता है।

अनुदान शाखा :-

संचालनालय द्वारा साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण और विकास कीदिशा में कार्यरत पंजीकृत अशासकीय संस्थाओं को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है। अनुदान शाखा द्वारा विज्ञापन जारी कर अशासकीय संस्थाओं से प्रस्ताव प्राप्त किये जाते हैं। लिपिकीय स्तर पर प्राप्त प्रस्तावों की एकजाई सूची तैयार की जाती है । वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इस सूची को चयन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। समिति द्वारा अनुदान हेतु अनुशंसित/चयनित संस्थाओं की सूची भुगतान कार्यवाही हेतु लेखा शाखा को उपलब्ध करा दीजाती है। लेखा शाखा द्वारा संस्थाओं को भुगतान सीधे बैंक खाते में अथवा चेक के माध्यम से किया जाता है।

बिन्दु क्रमांक 7

नीति निर्धारण संबंधी बोर्ड, परिषद, समितियों एवं निकायों का विवरण जिनमें अशासकीय सदस्यों का प्रतिनिधत्व हो

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के अन्तर्गत म.प्र. संस्कृति परिषद संचालित है,जिसकी पृथक-पृथक 9 अकादमी संचालित हैं। अकादमी के निदेशक पदों पर अशासकीय सदस्यों को मनोनीत किया जाता है।

इसके अतिरिक्त साहित्कारों/कलाकारों को मासिक सहायता एवं मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किये जाने वाले सम्मानों के लिए प्रत्येक वर्ष ज्यूरी/समिति का गठन किया जाता है। इन ज्यूरी/समिति में भी अशासकीय सदस्यों का प्रतिनिधित्व होता है।

बिन्दु क्रमांक 8

बिन्दु क्रमांक -7में दी गई जानकारी के अनुसार इन सभी समितियों के कार्यवाही विवरण सार्वजनिक नहीं किये जाते हैं।

बिन्दु क्रमांक 9

विभागीय अधिकारियों के नाम और पदों की सूची

संस्कृति संचालनालय, 1 शिवाजी नगर, भोपाल-462016

EPBX-0755-2770597, Tel. 0755-2550598

(E-mail : directo-rculture@mp.gov.in)

अधिकारी का नाम	पद नाम	कार्यालय	एक्सटें.नं.	निवास
श्री एन.पी. नामदेव	संचालक	2770597, 98	201	
श्रीमती भारती सिंह राजपूत	उप संचालक/ कार्यालय प्रमुख	2770597	204	-
श्री नित्यानन्द श्रीवास्तव	सहायक संचालक	2770597	207	98260-55145
श्री शैलेन्द्र मिश्र	सहायक संचालक	2770597	-	94250-24597
श्री अमित कुमार यादव	लेखाधिकारी	2770597	203	

अकादमी के फोन नम्बर, ई-मेल

क्र.	अकादमी का नाम	निदेशक	दूरभाष/ई-मेल
1	मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद, भोपाल	श्री धर्मेन्द्र पारे	9827041211 mpsanskritiparishad@gmail.com
2	आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, भोपाल	श्री धर्मेन्द्र पारे	9827041211 mplokkala@rediffmail.com mptribalmuseum@gmail.com
3	उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी, भोपाल	श्री धर्मेन्द्र पारे	9827041211 uakska@yahoo.com
4	साहित्य अकादमी, भोपाल	श्री विकास दवे	9425636550 sahitya_academy@yahoo.com
5	सिंधी साहित्य अकादमी, भोपाल	श्री राजेश वाधवानी	9826234458 academysindhi@gmail.com
6	मराठी साहित्य अकादमी, भोपाल	श्री संतोष गोडबोले	9424708241

			marathiacademy@gmail.com
7	पंजाबी साहित्य अकादमी, भोपाल	श्री इंदरजीत सिंह खनूजा	9669513000 panjabisahityaacademy@gmail.com
8	भोजपुरी साहित्य अकादमी, भोपाल	श्री धर्मेन्द्र पारे	9827041211 bhojpurisahityaacademy@gmail.co
9	मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, भोपाल	सुश्री नुसरत मेहंदी	9425012227 urduacademy@gmail.com
10	कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन	श्री गोविन्द गन्धे	9425335568 kalidasaakademi@gmail.com
11	म.प्र. नाट्य विद्यालय, भोपाल	श्री टीकम जोशी	9350204579 mpdramaschool@gmail.com
12	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, भारत भवन, भोपाल	श्री प्रेमशंकर शुक्ला	9424439467 bharatbhavantrust@gmail.com

महाविद्यालयों के फोन नम्बर, ई-मेल

क्र.	महाविद्यालय का नाम	प्राचार्य	दूरभाष/ई-मेल
1	शासकीय संगीत महाविद्यालय, नरसिंहगढ (राजगढ़)	श्री नित्यानन्द श्रीवास्तव	0734 2515344, 9826055145 musicngh@gmail.com
2	शासकीय संगीत महाविद्यालय, इन्दौर	श्री प्रकाश काडोतिया	9993967776 principalmusicindore@gmail.com
3	शासकीय संगीत महाविद्यालय, धार	श्रीमती कान्ति तिर्की	9826310901 gifadharmp1939@gmail.com
4	शासकीय संगीत महाविद्यालय, उज्जैन	श्री नित्यानन्द श्रीवास्तव	0734 2515344,9826055145 govtmadhavmusiccollege@gmail.com
5	शासकीय संगीत महाविद्यालय, मन्दसौर	सुश्री ऊषा अग्रवाल	07422 245202 govtmusiccollagemds@gmail.com
6	शासकीय संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर	श्री अमित कुमार यादव	9425357001 gmmc.gwalior@gmail.com
7	शासकीय संगीत महाविद्यालय, मैहर (सतना)	श्रीमती भारती सिंह राजपूत	07674 232653 schaturvedi182@gmail.com

ललित कला महाविद्यालय

क्र.	महाविद्यालय का नाम	प्राचार्य	दूरभाष/ई-मेल
1.	शासकीय ललित कला महाविद्यालय,जबलपुर	सुश्री राजलक्ष्मी त्रिपाठी	9009357793 gcfajbp@gmail.com
2.	शासकीय ललित कला महाविद्यालय,ग्वालियर	श्री अमित कुमार यादव	9425357001 fineartsgwalior@gmail.com
3.	शासकीय ललित कला महाविद्यालय,धार	श्रीमती कान्ति तिर्की	0792 235269, 9826310901 gifadharmp1939@gmail.com
4.	शासकीय ललित कला महाविद्यालय,इन्दौर	श्री प्रकाश कड़ोतिया	9993967776 gifaindoremp1927@gmail.com

संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय

क्र.	महाविद्यालय का नाम	प्राचार्य	दूरभाष/ई-मेल
1.	संगीत एवं शासकीय ललित कला महाविद्यालय, खण्डवा	श्री शैलेन्द्र मिश्रा	0733 2222289, 9425024594 mfckdw@gmail.com

मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय

क्र.	महाविद्यालय का नाम	प्राचार्य	दूरभाष/ई-मेल
1.	मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय	श्री टीकम जोशी	9350204579 mpdramaschool@gmail.com

बिन्दु क्रमांक 10

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतनमान पारिश्रमिक की जानकारी

संस्कृति संचालनालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतनमान पारिश्रमिक की जानकारी निम्नानुसार है :-

क्र.	पदनाम	वेतनमान
1	संचालक	37400-67000 + ग्रेड पे 8900
2	उपसंचालक	15600-39100 + ग्रेड पे 6600
3	सहायक संचालक	15600-39100 + ग्रेड पे 5400
4	लेखाधिकारी	15600-39100 + ग्रेड पे 5400
5	आडिटर	9300-34800 + ग्रेड पे 3600
6	अधीक्षक	9300-34800 + ग्रेड पे 3600
7	मुख्य अनुवादक	9300-34800 + ग्रेड पे 3200
8	लेखापाल	5200-20200 + ग्रेड पे 2800
9	शीध्रलेखक	5200-20200 + ग्रेड पे 2800
10	सहायक ग्रेड -2	5200-20200 + ग्रेड पे 2400
11	सहायक ग्रेड -3	5200-20200 + ग्रेड पे 1900
12	स्टेनोटायपिस्ट	5200-20200 + ग्रेड पे 1900
13	वाहन चालक	5200-20200 + ग्रेड पे 1900
14	दफतरी	4440-7440 + ग्रेड पे 1400
15	भृत्य	4440-7440 + ग्रेड पे 1400
16	चौकीदार	4440-7440 + ग्रेड पे 1400
17	फर्राश	4440-7440 + ग्रेड पे 1400

शासकीय संगीत महाविद्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतनमान पारिश्रमिक की जानकारी निम्नानुसार है :-

क्र.	**पदनाम**	**वेतनमान**
1	प्राचार्य (स्नातकोत्तर)	15600-39100+ ग्रेड पे 7600
2	प्राचार्य (स्नातक)	15600-39100 + ग्रेड पे 6600
3	संगीत शास्त्री	15600-39100 + ग्रेड पे 5400
4	व्याख्याता	15600-39100 + ग्रेड पे 5400
5	सहायक संगीत शास्त्री	9300-34800 + ग्रेड पे 4200
6	सहायक व्याख्याता	9300-34800 + ग्रेड पे 3200
7	सारंगी सहायक	5200-20200 + ग्रेड पे 2400
8	संगतकार	5200-20200 + ग्रेड पे 2400
9	संगीतकार	9300-34800 + ग्रेड पे 3200
10	कनिष्ठ संगीतकार	5200-20200 + ग्रेड पे 2400
11	सहायक	5200-20200 + ग्रेड पे 1900
12	मुख्य लिपिक	5200-20200 + ग्रेड पे 2800
13	सहायक ग्रेड-2	5200-20200 + ग्रेड पे 2400
14	सहायक ग्रेड-3	5200-20200 + ग्रेड पे 1900
15	भृत्य	4440-7440 + ग्रेड पे 1300
16	खल्लासी	4440-7440 + ग्रेड पे 1300
17	वाटरमैन	4440-7440 + ग्रेड पे 1300
18	चौकीदार	4440-7440 + ग्रेड पे 1300
19	स्वीपर	4440-7440 + ग्रेड पे 1300

शासकीय ललितकला महाविद्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतनमान पारिश्रमिक की जानकारीनिम्नानुसार है :-

क्र.	पदनाम	वेतनमान
1	प्राचार्य	15600-39100+ ग्रेड पे 7600
2	प्राध्यापक	15600-39100 + ग्रेड पे 6600
3	व्याख्याता(प्रथम श्रेणी)	15600-39100 + ग्रेड पे 6600
4	व्याख्याता(द्वितीय श्रेणी)	15600-39100 + ग्रेड पे 5400
5	सहायक व्याख्याता(राजपत्रित)	9300-34800 + ग्रेड पे 4200
6	सहायक व्याख्याता (अराजपत्रित)	9300-34800 + ग्रेड पे 3200
7	निर्देशक 3200	9300-34800 + ग्रेड पे 3200
8	निर्देशक 2800	5200-20200 + ग्रेड पे 2800
9	कनिष्ठ निदेशक	5200-20200 + ग्रेड पे 2800
10	स्ट्रूडियो सहायक	5200-20200 + ग्रेड पे 1900
11	ग्रंथपाल	5200-20200 + ग्रेड पे 2800
12	मुख्य लिपिक	5200-20200 + ग्रेड पे 2800
13	कैशियर	5200-20200 + ग्रेड पे 2400
14	स्टोरकीपर	5200-20200 + ग्रेड पे 2400
15	लेखापाल	5200-20200 + ग्रेड पे 2800
16	सहायक ग्रेड-3	5200-20200 + ग्रेड पे 1900
17	कुशल सहायक	5200-20200 + ग्रेड पे 1900
18	भृत्य	4440-7440 + ग्रेड पे 1300
19	उपस्थापक	4440-7440 + ग्रेड पे 1300
20	गार्डनर/माली	4440-7440 + ग्रेड पे 1300
21	मिडवाईफ	4440-7440 + ग्रेड पे 1300
22	चौकीदार	4440-7440 + ग्रेड पे 1300
23	स्वीपर	4440-7440 + ग्रेड पे 1300

बिन्दु क्रमांक 11 - बजट आवंटन एवं व्यय का ब्यौरा

बजट प्रावधान एवं वास्तविक व्यय वर्ष 2022–23

(राशि लाख में)

बजटीय शीर्ष	सेगमेंट कोड	बजट प्रावधान 2022–23	वास्तविक व्यय 2022–23
1	2	3	4
2205 (102) कला और संस्कृति का संवर्धन	8888	3189.24	1768.17
	0101	15668.04	13119.25
3454–गजेटियर	0101	107.00	62.35
4202–पूंजीगत परिव्यय	0101/0701	37600.08	5305.21
0102–अनुसूचित जनजाति योजना	0102	1970.00	1970.00
0103–अनुसूचित जाति योजना	0103	640.00	640.00
कुल योग		**59174.36**	**22864.98**
2202 (7981) ललित कला संस्थान	8888	400.00	308.15
2202 (7982) संगीत महाविद्यालय	8888	1088.00	708.59
2202(7043) जनभागीदारी समिति	8888	115.00	78.00
महाविद्यालय योग		**1603.00**	**1094.74**
विभागाध्यक्ष कुल योग		**60777.36**	**23959.72**

बजट प्रावधान एवं वास्तविक व्यय वर्ष 2023–24

(राशि लाख में)

बजटीय शीर्ष	सेगमेंट कोड	बजट प्रावधान 2023–24	माह मार्च 2024 तक का वास्तविक व्यय
1	2	3	4
2205 (102) कला और संस्कृति का संवर्धन	8888	3200.70	1797.74
	0101	16444.80	11469.34
3454–गजेटियर	0101	117.09	82.01
4202–पूंजीगत परिव्यय	0101/0102/0103/ 0701/0704/9999	36474.24	17031.00
0102–अनुसूचित जनजाति योजना	0102	2100.00	1620.00
0103–अनुसूचित जाति योजना	0103	1000.01	740.00
कुल योग		**59336.84**	**32740.09**
2202 (7981) ललित कला संस्थान	8888	445.41	341.51
2202 (7982) संगीत महाविद्यालय	8888	1241.15	775.94
2202(7043) जनभागीदारी समिति	8888	115.00	84.01
महाविद्यालय योग		**1801.56**	**1201.46**
विभागाध्यक्ष कुल योग		**61138.40**	**33941.55**

बजट प्रावधान एवं वास्तविक व्यय वर्ष 2024–25

(राशि लाख में)

बजटीय शीर्ष	सेगमेंट कोड	बजट प्रावधान 2024–25	माह 31 दिसम्बर 2024 तक का वास्तविक व्यय
1	2	3	4
2205 (102) कला और संस्कृति का संवर्धन	8888	4849.71	2398.32
	0101	21799.67	9987.85
3454–गजेटियर	0101	135.66	58.79
4202–पूंजीगत परिव्यय	0101/0102/0103/0701/0704/9999	43701.38	2800.00
0102–अनुसूचित जनजाति योजना	0102	3000.00	1920.00
0103–अनुसूचित जाति योजना	0103	1500.01	960.00
कुल योग		**74986.43**	**18124.96**
2202 (7981) ललित कला संस्थान	8888	481.00	250.50
2202 (7982) संगीत महाविद्यालय	8888	1053.34	657.40
2202(7043) जनभागीदारी समिति	8888	280.00	59.76
महाविद्यालय योग		**1814.34**	**967.66**
विभागाध्यक्ष कुल योग		**76800.77**	**19092.62**

बिन्दु क्रमांक 12 - अनुदान कार्यक्रम एवं हितग्राही

संस्कृति संचालनालय में निम्नानुसार सहायता योजनाएँ संचालित है। विवरण निम्नानुसार है :-

1.1 अशासकीय संस्थाओं को सहायता -

साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण और विकास कीदिशा में कार्यरत पंजीकृत अशासकीय संस्थाओं को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है। इनसंस्थाओं को उपलब्ध करायी गयी अनुदान की स्थिति निम्नानुसार है:-

वित्तीय वर्ष	संस्थाओं की संख्या	अनुदान राशि (लाखों में)	रिमार्क
2013-14	311	139.45 लाख	---
2014-15	169	70.85 लाख	---
2015-16	308	66.30 लाख	---
2016-17	259	154.95 लाख	---
2017-18	310	359.25 लाख	---
2018-19	227	270.00 लाख	---
2019-20	255	218.03 लाख	---
2020-21	अनुदान नियम संशोधन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन		

1.2 अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों, कलाकारों को मासिक वित्तीय सहायता -

प्रदेश केअर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों/कलाकारों को जीवन यापन के लिए योजना के तहत प्रतिमाह न्यूनतमरुपये 800/- एवं अधिकतम रुपये 1500/- की सहायता राशि उपलब्ध करायी जाती है। वर्ष2018-19 में 256, वर्ष 2019-20 में 260 एवं वर्ष 2020-21 में 254 साहित्यकारों/कलाकारों को सहायता राशि उपलब्ध कराई गयी है।

1.3 कलाकार कल्याण कोष से आर्थिक सहायता:- गंभीर रूप से बीमार -

साहित्यकारों/कलाकारों को इलाज के लिये एकमुश्त अधिकतम रुपये 5000/- की सहायता राशिउपलब्ध करायी जाती है। वर्ष 2017-18 में 16अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों/कलाकारों सहायता राशि उपलब्ध कराई गई है। वर्ष 2018-19 में आचार संहिता प्रभावशील होने के कारण राशि वितरित नहीं की जा सकी। वर्ष 2019-20 में 18, वर्ष 2020-21 में 192 कलाकारों को सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

बिन्दु क्रमांक 13 - हितग्राही एवं रियायत की प्रकृति

बिन्दु क्रमांक 12 में दी गई जानकारी के अनुसार।

बिन्दु क्रमांक 14 - इलेक्ट्रॉनिक रूप में दी जा सकने वाली सूचनाओं की जानकारी

संस्कृति संचालनालय की वेबसाइट www.mpculture.in में उपलब्ध सूचनाओं के अलावा विज्ञापन/आगामी आयोजनों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाती है।

बिन्दु क्रमांक 15 - सर्वसाधारण को सूचनाओं की जानकारी

बिन्दु क्रमांक 14 मे दी गई जानकारी के अनुसार।

बिन्दु क्रमांक 16 - लोक सूचना अधिकारी के संबंध में जानकारी

संस्कृति संचालनालय एवं विभागीय महाविद्यालयों में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005के क्रियान्वयन के लिए लोक सूचना अधिकारी और उनके अपीलीय की नियुक्ति की गई है जिनके नाम, पद और दूरभाष की जानकारी निम्नानुसार है :-

संस्कृति संचालनालय

अधिकारी	पदनाम	दूरभाष क्र.	मोबाइल क्र.	ई-मेल
आयुक्त/संचालक	आयुक्त/संचालक (प्रथम अपीलीय अधिकारी)	0755 2770598	-	director-culture@mp.gov.in
सुश्री भारती सिंह राजपूत	उपसंचालक/ लोक सूचना अधिकारी	0755 2770598	7999556353	director-culture@mp.gov.in

संगीत महाविद्यालय

क्र.	नाम	जिला	प्राचार्य/लोक सूचना अधिकारी	दूरभाष क्र.	मोबाइल क्र.	ई-मेल
1.	शासकीय संगीत महाविद्यालय	नरसिंहगढ़ (राजगढ़)	श्री नित्यानंद श्रीवास्तव	07375 245826	9826055145	musicngh@gmail.com
2.	शासकीय संगीत महाविद्यालय	इंदौर	श्री प्रकाश काडोतिया	0731 2534064	9993967776	principalmusicindore@gmail.com
3.	शासकीय संगीत महाविद्यालय	धार	श्रीमती कान्ति तिर्की	-	9826310901	priyasharma2212@gmail.com
4.	शासकीय संगीत महाविद्यालय	उज्जैन	श्री नित्यानन्द श्रीवास्तव	0734 2515344	9826055145	govtmadhavmusiccollege@gmail.com
5.	शासकीय संगीत महाविद्यालय	मंदसौर	सुश्री ऊषा अग्रवाल	07422 245202	9425108512	govtmusiccollagemds@gmail.com
7.	शासकीय संगीत महाविद्यालय	मैहर, सतना	श्रीमती भारती सिंह राजपूत	07674 232653	9827377108	schaturvedi182@gmail.com

ललित कला महाविद्यालय

क्र	नाम	जिला	प्राचार्य/लोक सूचना अधिकारी	दूरभाष क्र.	मोबाइल क्र.	ई-मेल
8.	शासकीय ललित कला महाविद्यालय	जबलपुर	सुश्री राजलक्ष्मी त्रिपाठी	0761 26200 23	9009357 793	gcfajbp@gmail.com
9.	शासकीय ललित कला महाविद्यालय	ग्वालियर	श्री अमित कुमार यादव	0751 23231 70	9425357 001	fineartsgwalior@gmail.com
10.	शासकीय ललित कला महाविद्यालय	धार	श्रीमती कान्ति तिर्की	0792 23526 9	9826310 901	gifadharmp1939@gmail.com
11.	शासकीय ललित कला महाविद्यालय	इंदौर	श्री प्रकाश कड़ोतिया	0731 25340 64	9993967 776	gifaindoremp1927@gmail.com

संगीत एवं ललित कला महाविद्यालय

क्र.	नाम	जिला	प्राचार्य/लोक सूचना अधिकारी	दूरभाष क्र.	मोबाइल क्र.	ई-मेल
12.	संगीत एवं शासकीय ललित कला महाविद्यालय	खंडवा	श्री शैलेन्द्र मिश्रा	0733 2222289	94250 24594	mfckdw@gmail.com

बिन्दु क्रमांक 17 - अन्य जानकारी

संस्कृति संचालनालय की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचनायें सर्वसाधारण के अवलोकन के लिए उपलब्ध हैं।